हल्द्वानी (नैनीताल) एवं देहरादून से एक साथ प्रकाशित

समाचारों को विस्तार से व तत्काल पढ़ने के लिए क्लिक करें

Web:- www.jokhimnews.com

सूचना एवं लोकसम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड में "A" श्रेणी में सूचीबद्ध

जोखिम

भय भूख एवम् भ्रष्टाचार के खिलाफ संघर्षरत् निर्भीक राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

वर्ष : 16 अंक : 337 देहरादून सोमवार 02 मार्च 2026 मूल्य :रू 2 पृष्ठ : 8

काशीपुर रंगोत्सव होली मिलन समारोह में शामिल हुए मुख्यमंत्री धामी

काशीपुर(संवाददाता)। काशीपुर नगर निगम परिसर में आयोजित रंगोत्सव होली मिलन समारोह में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सहभागिता कर उपस्थित जनसमूह को होली की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने पारंपरिक कुमाऊँनी होली, शास्त्रीय होली एवं भजन गायन के साथ जनसमूह के साथ होली गायन में प्रतिभाग किया। मुख्यमंत्री ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि यह मेरा सौभाग्य है कि मुझे आज होली महोत्सव के माध्यम से आप सभी के बीच आकर इस पावन पर्व को मनाने का सुअवसर प्राप्त हो रहा है। उन्होंने इस महोत्सव के सफल आयोजन के लिए काशीपुर नगर निगम की पूरी टीम को बधाई एवं होली की शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि यह केवल एक कार्यक्रम का आयोजन नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक परंपराओं को सहेजकर उन्हें नई पीढ़ी तक पहुँचाने का सराहनीय कार्य है। उन्होंने कहा कि मुझे अत्यंत प्रसन्नता होती है जब ऐसे आयोजनों में हमारी माताएँ, बहनें, युवा साथी और सभी नागरिक बढ़-चढ़कर भाग लेते हैं और मिलजुलकर इस पर्व को उत्साह और आनंद के साथ मनाते हैं। क्योंकि होली मात्र रंग लगाकर धूम मचाने का ही त्योहार नहीं है, बल्कि यह परस्पर प्रेम, भाईचारे और सामाजिक सद्भाव बढ़ाने का भी अवसर है। उन्होंने कहा कि यह रंगों का त्योहार हमें याद दिलाता है कि जीवन की सच्ची खुशियाँ अपनापन बढ़ाने में ही हैं। मुख्यमंत्री ने अपने बाल्यकाल की होली की यादें साझा करते हुए कहा कि उन्हें आज भी याद है कि वे बचपन में होली का कितनी उत्सुकता से इंतजार किया करते थे। रंगों का उत्साह तो होता ही था, लेकिन इस समय घर में बनने वाले पकवानों से जो खुशबू आती थी, उसकी बात ही कुछ निराली होती थी। उन्होंने कहा कि गाँव की वह सामूहिक होली, जहाँ न ऊँच-नीच का भेद होता था और न ही छोटे-बड़े का अंतर, सब एक साथ एक रंग में रंग जाते थे। जब ढोल-दमाऊँ की गूंज उठती थी और हुड़के एवं ढोलक की थाप पर होली के गीत शुरू होते थे, तो पूरा वातावरण भक्ति और उमंग के अद्भुत मिश्रण से भर जाता था। उन्होंने कहा कि आज इस महोत्सव में वही अटूट एकता, वही प्रेम और वही आपसी भाईचारा देखकर मेरा मन प्रफुल्लित है। उन्होंने कहा कि जब भी मैं अपनी माताओं-बहनों और युवा साथियों को अपनी लोक-संस्कृति का गौरव बढ़ाते हुए देखता हूँ, तो मेरा यह विश्वास दृढ़ हो जाता है कि हमारी सांस्कृतिक जड़ें आज भी बहुत गहरी हैं और बदलते समय के साथ ये समाप्त नहीं हो रही हैं, बल्कि नई पीढ़ी तक भी पहुँच रही हैंमुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे पर्व और उत्सव केवल परंपराएँ नहीं हैं, ये हमारी पहचान हैं। यही हमें हमारी मिट्टी और हमारी संस्कृति से जोड़कर रखते हैं। इसी भावना से हमारी सरकार देवभूमि की इस समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को सहेजने और उसे नई पीढ़ी तक सुरक्षित पहुँचाने के लिए अपने "विकल्प रहित संकल्प" के साथ कार्य कर रही है।

कृषि मंत्री गणेश जोशी ने केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से भेंट

- घेरबाड़ योजना अंतर्गत 90 करोड़ की धनराशि शीघ्र अवमुक्त कराने का किया अनुरोध

- केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने तीन दिन के भीतर 90 करोड़ रुपये में से प्रथम किश्त के रूप में 25 करोड़ रुपये शीघ्र राज्य को उपलब्ध कराने का दिया भरोसा

देहरादून(संवाददाता)। प्रदेश के कृषि मंत्री गणेश जोशी ने आज जौलीग्रांट एयरपोर्ट पर केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से भेंट के दौरान कृषि मंत्री गणेश जोशी ने ज्ञापन सौंपते हुए अवगत कराया कि विगत माह गौचर, चमोली में आयोजित किसान संवाद कार्यक्रम में प्रदेश के लिए घेरबाड़ योजना अंतर्गत 90 करोड़ रुपये की धनराशि की घोषणा की गई थी। उन्होंने केंद्रीय मंत्री से अनुरोध किया कि उक्त धनराशि को शीघ्र अवमुक्त किया जाए, जिससे योजना का लाभ किसानों को समय पर मिल सके। इस पर केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आश्वस्त किया कि तीन दिन के भीतर घोषित 90 करोड़ रुपये में से प्रथम किश्त के रूप में 25 करोड़ रुपये शीघ्र राज्य को उपलब्ध करा दिए जाएंगे। कृषि मंत्री गणेश जोशी ने इस आश्वासन के लिए केंद्रीय मंत्री का आभार व्यक्त किया। साथ ही उन्होंने केंद्रीय मंत्री को आगामी चारधाम यात्रा के दौरान बद्रीनाथ मंदिर एवं केदारनाथ मंदिर के दर्शन हेतु उत्तराखंड आने का आमंत्रण भी दिया।

मानवता की मिसाल: दधीचि देह दान समिति का 5वां स्थापना दिवस, अंग और देह दानियों के परिजनों का हुआ सम्मान

देहरादून(संवाददाता)। अंगदान, नेत्रदान और देहदान जैसे पुनीत कार्यों को समाज में बढ़ावा देने के उद्देश्य से श्दधीचि देह दान समिति (रजि.) देहरादूनश ने रविवार को अपना पंचम (पांचवां) स्थापना दिवस मनाया। सर्वे चौक स्थित आईआरडीटी सभागार में आयोजित इस गरिमामय समारोह में उन दिवंगत आत्माओं के परिजनों को विशेष रूप से सम्मानित किया गया, जिन्होंने मरणोपरांत देह, अंग या नेत्रदान कर समाज के लिए सर्वोच्च त्याग किया है। समारोह में बतौर मुख्य अतिथि महाराष्ट्र के पूर्व राज्यपाल और उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री पद्म भूषण भगत सिंह कोश्यारी ने शिरकत की।

संक्षिप्त समाचार...

बोर्ड परीक्षा देकर लौट रहे आईटीबीपी जवान के बेटे पर हमला

देहरादून(संवाददाता)। बसंत विहार थाना क्षेत्र के सीमाद्वार इलाके में बोर्ड परीक्षा देकर लौट रहे आईटीबीपी जवान के 14 वर्षीय बेटे पर आधा दर्जन युवकों ने जानलेवा हमला कर दिया। लोहे के पंच, चेन और हॉकी से हुए इस हमले में छात्र के सिर पर चार टांके लगे हैं। खौफजदा छात्र ने आगे की परीक्षा देने से भी इनकार कर दिया है। उत्तरी सीमांत मुख्यालय आईटीबीपी सीमाद्वार में तैनात सुभाष लाल ने बसंत विहार थाने में तहरीर दी। कहा कि उनका बेटा रोहित कुमार (10वीं का छात्र) 25 फरवरी की दोपहर टाइम्स वर्ल्ड स्कूल से पेपर देकर घर लौट रहा था। तभी आईटीबीपी गेट नंबर-दो के पास दो स्कूटी और एक बाइक सवार छह लड़कों ने उसे घेर लिया और बुरी तरह पीटा। आरोपी उसे आगे पेपर देने के लिए आने पर जान से मारने की धमकी देकर गए। एसओ बसंत विहार अशोक राठौर ने बताया कि शिकायत पर हमलावरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। हमला करने की वजह पर भी पुलिस जांच कर रही है।

मारपीट कर तोड़ा हाथ, केस दर्ज

देहरादून(संवाददाता)। शहर कोतवाली क्षेत्र में अरिहंत टावर के पास एक व्यक्ति के साथ मारपीट कर हाथ तोड़ने का मामला सामने आया है। कांवली रोड निवासी नवीन कुमार गर्ग ने कहा कि 14 फरवरी की रात करीब 9:45 बजे नवीन अपने दोस्त पुनीत के साथ कार से डालनवाला जा रहे थे। अरिहंत टावर के पास पुनीत शराब लेने गया। इसी बीच कार के पास खड़े नवीन पर मनुदेव अग्रवाल और उसके साथियों ने अचानक हमला कर दिया। गाली-गलौज करते हुए बुरी तरह मारपीट की गई, जिससे नवीन का हाथ फ्रैक्चर हो गया।

हिन्दी दैनिक जोखिम

सम्पादकीय

एक नयी शहरी रुपरेखा: शहरी चुनौती कोष भारत के शहरों को किस तरह दे सकता है नया रूप

भारत के शहरीकरण का सफर निर्णायक मोड़ पर है। आज देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में शहरों का बड़ा योगदान है, ये देश के सबसे गतिशील आर्थिक केंद्रों का केंद्र हैं और लाखों लोगों के जीवन स्तर को लगातार प्रभावित कर रहे हैं। फिर भी, ये शहर बुनियादी ढांचे की कमी, जलवायु परिवर्तन के खतरे, वित्तीय बाधाओं और संस्थागत बिखराव जैसी चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। अब चुनौती यह नहीं है कि भारत का शहरीकरण होगा या नहीं, बल्कि यह है कि क्या भारत का शहरीकरण प्रभावी, टिकाऊ और समावेशी तरीके से हो पाएगा।हाल ही में स्वीकृत शहरी चुनौती कोष (यूसीएफ) इस प्रश्न के उत्तर देने के भारत के नजरिए में एक अहम बदलाव का प्रतीक है। वित्त वर्ष 2025-26 से वित्त वर्ष 2030-31 तक 1 लाख करोड़ रुपये की केंद्रीय सहायता राशि और करीब 4 लाख करोड़ रुपये के कुल निवेश को प्रेरित करने की अपेक्षित योजना के साथ, यह कोष पारंपरिक अनुदान-आधारित वित्तपोषण से हटकर, शहरी ढ़ांचागत विकास के लिए बाजार-आधारित, सुधार-संचालित और परिणाम पर आधारित ढांचे की ओर बदलाव का प्रतीक है।अनुदान से बाजार अनुशासन की ओरशहरी चुनौती कोष की संरचना उसे पूर्व के कार्यक्रमों से अलग करती है। केंद्रीय सहायता परियोजना लागत के 25 प्रतिशत तक सीमित है और शहरों को कम से कम 50 प्रतिशत राशि नगरपालिका बांड, बैंक ऋण या सार्वजनिक-निजी भागीदारी जैसे बाजार स्रोतों से जुटानी होगी। बाकी राशि राज्यों, शहरी स्थानीय निकायों या अन्य वित्तपोषण माध्यमों से आ सकती है।यह आवश्यकता कार्यक्रम के मूल में वित्तीय अनुशासन को स्थापित करती है। यह संकेत देती है कि शहरी अवसंरचना अब केवल सार्वजनिक बजट पर निर्भर नहीं रह सकती, इसे राजस्व समर्थित परियोजनाओं के जरिए पूंजी बाजारों तक ज्यादा से ज्यादा पहुंच बनानी होगी। ऐसा करके, यह कोष ढ़ांचागत महत्वाकांक्षाओँ के साथ राजकोषीय संयम का तालमेल बिठाने की कोशिश करता है।शहरी केंद्र की पुनर्कल्पनायह कोष तीन विशिष्ट क्षेत्रों पर आधारित है, जो भारत के शहरी परिदृश्य की बदलती प्राथमिकताओं को दर्शाते हैं।पहला क्षेत्र है विकास केंद्र के रूप में शहरों को देखना। इसके तहत यह माना जाता है कि शहरी क्षेत्र आर्थिक इंजन हैं। यह एकीकृत स्थानिक और पारगमन योजना, आर्थिक गलियारों के साथ अवसंरचना और औद्योगिक, पर्यटन या लॉजिस्टिक्स क्लस्टर जैसे मजबूत आर्थिक आधारों के विकास का समर्थन करता है। इसका मकसद केवल परिसंपत्तियों का निर्माण करना नहीं, बल्कि प्रतिस्पर्धात्मकता और उत्पादकता को भी बढ़ाना है।दूसरा क्षेत्र, शहरों का रचनात्मक पुनर्विकास, भारतीय शहरीकरण की एक लंबे समय से चली आ रही चुनौती, ऐतिहासिक केंद्रों और केंद्रीय व्यावसायिक जिलों में भीड़भाड़ और गिरावट - का समाधान करता है। ब्राउनफील्ड पुनर्जनन, पारगमन आधारित विकास और सार्वजनिक भूमि के पुनर्गठन को प्रोत्साहित करके, यह कोष मौजूदा शहरी क्षेत्रों के भीतर मूल्यों को उजागर करने का प्रयास करता है। यह भूमि मूल्य अधिग्रहण और संरचित पुनर्विकास मॉडल के तर्क को पेश करता है, जिससे शहर सांस्कृतिक और विरासत चरित्र को संरक्षित करते हुए कम उपयोग वाली संपत्तियों को नवीनीकरण के चालक में बदला जा सकता है।तीसरा क्षेत्र जल और स्वच्छता पर केंद्रित है, जहां सेवा संतृप्ति, अपशिष्ट जल पुन: उपयोग, बाढ़ शमन और विरासत अपशिष्ट स्थलों के उपचार पर जोर दिया जाता है। इस ढांचे में जलवायु में बदलाव समाहित है, यह मानते हुए कि चरम मौसम की घटनाएं और पर्यावरणीय तनाव शहरी भेद्यता को नया रूप दे रहे हैं।छोटे शहरों को वित्तीय मुख्यधारा में लानाशहरी चुनौती कोष के सबसे नवोन्मेषी तत्वों में से एक 5,000 करोड़ रुपए की ऋण चुकौती गारंटी योजना है। पहली बार, छोटे शहरी स्थानीय निकायों, खास तौर पर एक लाख से कम आबादी वाले, साथ ही पहाड़ी और पूर्वोत्तर राज्यों के शहरों, को संरचित केंद्रीय गारंटी के साथ बाजार वित्त तक पहुंच प्राप्त करने में सक्षम बनाया जा रहा है।प्रारंभिक उधार को जोखिममुक्त करके, यह योजना छोटी नगरपालिकाओं के लिए प्रवेश संबंधी बाधाओं को कम करती है और ऋणदाताओं को विश्वास दिलाती है। ऐसा करके, यह शहरी स्थानीय निकायों को अंतर-सरकारी हस्तांतरणों पर पूरी तरह निर्भर रहने के बजाय, पूंजी बाजारों का लाभ उठाने में सक्षम विश्वसनीय वित्तीय संस्थाओं के रूप में दोबारा स्थापित करना शुरू करती है।सुधार ही आधारयूसीएफ के तहत केंद्रीय सहायता प्राप्त करना शासन, वित्तीय और नियोजन सुधारों पर निर्भर है। शहरों से अपेक्षा की जाती है कि वे साख में सुधार करें, परिसंपत्ति प्रबंधन प्रणालियों को मजबूत करें, सेवा वितरण को डिजिटल बनाएं, परिचालन दक्षता बढ़ाएं और एकीकृत भूमि उपयोग तथा गतिशीलता नियोजन ढांचे अपनाएं।वित्तपोषण लक्ष्यों और मापने योग्य नतीजों से जुड़ा है और लगातार सुधार बाद के सवितरणों के लिए एक पूर्व शर्त है। यह दृष्टिकोण यह दिशा में प्रयास करता है कि अवसंरचना निर्माण के साथ-साथ संस्थागत सुदृढ़ीकरण भी हो, जिससे कमजोर रखरखाव या कुप्रबंधन के कारण परिसंपत्तियों के क्षय का जोखिम कम हो।

एक सुंदर, सघन और महत्वाकांक्षी फिल्म ओ रोमियो

पंकज दुबे

फिल्म पत्रकार-लेखक हुसैन जैदी की किताब श्द माफिया क्वींस ऑफ मुंबईश से प्रेरित है, जिसका स्क्रीनप्ले खुद विशाल भारद्वाज ने लिखा है। जैदी की लेखनी जहां अपराध जगत की स्त्रियों की जटिल दुनिया को दस्तावेजी सटीकता के साथ खोलती है।आज के श्सिने-सोहबतश् में विशाल भारद्वाज की फिल्म श्ओ रोमियोश् पर विमर्श करते हैं। विशाल भारद्वाज जब भी सिनेमा बनाते हैं, वे कहानी नहीं, एक वातावरण रचते हैं। उनकी फिल्मों में हवा तक का रंग होता है और उस रंग में धूल, खून, प्रेम और पछतावे की परतें तैरती रहती हैं। श्ओ रोमियोश् इसी परंपरा का विस्तार है। एक ऐसी फिल्म जो माफिया की दुनिया को महज अपराध की कथा नहीं, बल्कि मनुष्यता की विडंबना के रूप में देखती है।यह फिल्म पत्रकार-लेखक हुसैन जैदी की किताब श्द माफिया क्वींस ऑफ मुंबईश् से प्रेरित है, जिसका स्क्रीनप्ले खुद विशाल भारद्वाज ने लिखा है। जैदी की लेखनी जहां अपराध जगत की स्त्रियों की जटिल दुनिया को दस्तावेजी सटीकता के साथ खोलती है, वहीं विशाल भारद्वाज उसे सिनेमाई काव्य में रूपांतरित करते हैं। परिणामस्वरूप हमें एक ऐसा टेक्सचर मिलता है, जिसमें यथार्थ और रूपक एक-दूसरे में विलीन हो जाते हैं।सबसे पहले बात करते हैं फिल्म श्ओ रोमियोश् की कहानी की। फिल्म का केंद्र है, उस्तुरा, जिस किरदार को शाहिद कपूर ने बारीकियों से निभाया है। उस्तुरा एक सुपारी किलर है, जिसकी आंखों में स्थिरता है और चाल में एक अजीब-सी ठंडक। वह पेशे से कातिल है, लेकिन उसके भीतर एक घायल कवि भी छिपा है।कहानी का सूत्रपात तब होता है जब एक स्त्री उसके पास आती है, जिसका मकसद है अपने पति की हत्या का बदला लेना। उसका पति गैंग में अकाउंटेंट था और अब आगे लम्बे समय तक गैंग में शामिल होने से मना कर देता है और मारा जाता है। वह चाहती है कि उस्तुरा उन सभी लोगों का सफाया कर दे, जिन्होंने मिलकर नायिका के पति को मार डाला। यहीं से श्ओ रोमियोश् एक रिवेंज ड्रामा की शक्ल लेती है लेकिन यहीं वो पॉइंट है जो इस फिल्म की पहली समस्या भी है- श्इमोशनल डिस्कनेक्टश्।नायिका (तृप्ति डिमरी) के विवाह, उसके प्रेम और उसके पति की हत्या का जो भावनात्मक परिप्रेक्ष्य होना चाहिए था, वह घोर अपर्याप्त है। दर्शक उसके दर्द से जुड़ नहीं पाते क्योंकि पटकथा उसे पर्याप्त स्क्रीन-टाइम नहीं देती। उसकी त्रासदी का ताप दर्शकों तक पूरी तरह संप्रेषित हो ही नहीं नहीं पाता।यहां विशाल भारद्वाज की पोएट्री कहीं-कहीं पटकथा की कसावट पर भारी पड़ती दिखती है।शाहिद का उस्तुरा एक सधे हुए अभिनेता की परिपक्वता का उदाहरण है। उनके संवाद कम हैं, परआंखों का संवाद मुखर है। वे अपने शरीर की भाषा से किरदार को जीवित करते हैं। हिंसा के दृश्यों में वे अतिरेक से बचते हैं और यही संयम उनके अभिनय को प्रभावी बनाता है।नायिका (तृप्ति डिमरी) की भूमिका संभावनाशील थी, परंतु लेखन की कमी ने उसे सीमित कर दिया। उसके चरित्र में प्रतिशोध की ज्वाला है, पर उस ज्वाला की पृष्ठभूमि अधूरी है। स्पेन में बैठा खलनायक, जिसे अविनाश तिवारी ने निभाया है, अपने श्बुल फाइटश् के शौक में अधिक दिखता है, पर उसके भीतर की वैचारिक या भावनात्मक प्रेरणा स्पष्ट नहीं होती। उसका मोटिव धुंधला है। वह क्यों इतना क्रूर है? उसकी महत्वाकांक्षा क्या है? उसकी निजी हानि या महत्वाकांक्षा का आयाम क्या है? इन प्रश्नों का उत्तर फिल्म नहीं देती। परिणामस्वरूप वह एक प्रभावशाली दृश्य उपस्थिति तो बनता है, पर स्मरणीय खलनायक नहीं। एक वकफ्त के बाद वह डरावना विलेन नहीं, बल्कि एक ड्रामा करता कैरीकेचर ही लगता है।

बाकफी कलाकारों में नाना पाटेकर, तमन्ना भाटिया के साधे हुए काम के साथ साथ अरुणा ईरानी और फरीदा जलाल को भी काफी समय के बाद बड़े परदे पर देखने का मौकफा मिलता है।

विशाल भारद्वाज की सभी फिल्मों में संगीत तो शानदार होता ही है। इसमें भी संगीत विशाल का ही है और गीत लिखे हैं गुलजार ने। इन दोनों की कॉम्बिनेशन हमेशा ही डेडली रहती है। इस फिल्म में भी धुनों में छिपी दास्तान रह रह कर कंफ्यूज करती है कि कहीं हम फिल्म को नकार देने में जल्दबाजी तो नहीं कर रहे। यहां भी बैकग्रॉउंड म्यूजिक में सूफियाना तान और पश्चिमी गिटार का संगम है। गीतों में एक गजलनुमा उदासी है, जो माफिया की दुनिया के भीतर भी प्रेम की संभावना को जीवित रखती है। कुछ गीत कहानी को आगे बढ़ाते हैं, पर कुछ स्थानों पर गति को बाधित भी करते हैं। एडिटिंग की दृष्टि से कुछ ट्रैक्स को बहुत आसानी से छोटा किया जा सकता था।फिल्म का विजुअल पैलेट गहरा है। मटमैले रंग, बारिश से भीगी गलियां, और समुद्र के किनारे की वीरानी। मुंबई यहां सिर्फ एक शहर नहीं, बल्कि एक पात्र है। कैमरा अक्सर स्थिर रहता है, जैसे अपराध के शोर के बीच भी कोई मौन साक्षी हो।

स्पेन के दृश्य, विशेषकर बुल फाइट एक रूपक की तरह इस्तेमाल किए गए हैं। मनुष्य और पशु की लड़ाई यहां सत्ता और वर्चस्व की प्रतीक बनती है। परंतु, यह रूपक जितना सुंदर दिखता है, उतना ही भावनात्मक स्तर पर अलग-थलग भी प्रतीत होता है। खलनायक का स्पेन में व्यस्त रहना कहानी की मुख्य धारा से उसे काट देता है।विशाल भारद्वाज का निर्देशन हमेशा की तरह सधा हुआ है। वे हिंसा को ग्लैमराइज नहीं करते, बल्कि उसे एक नैतिक प्रश्न की तरह प्रस्तुत करते हैं। कैमरे की गति, फ्रेम की रचना और प्रकाश का प्रयोग उन्हें समकालीन निर्देशकों से अलग करता है।परंतु, इस बार उनकी शेक्सपीरियन प्रवृत्ति कहीं-कहीं कथा की ठोस जमीन से दूर ले जाती है। फिल्म का शीर्षक श्ओ श्रोमियोश् अपने भीतर प्रेम और त्रासदी का संकेत देता है, पर प्रेम की वह गहराई परदे पर पूरी तरह साकार नहीं हो पाती।श्ओ रोमियोश् की पटकथा में कई चमकते क्षण हैं। इसके संवादों में साहित्यिकता है, दृश्य-रचना में प्रतीकात्मकता है लेकिन इमोशंस के डिपार्टमेंट में यह फिल्म सभी तामझाम के बावजूद चूक जाती है।चूंकि फिल्म का स्रोत श्द माफिया क्वींस ऑफ मुंबईश् है, इसलिए अपेक्षा थी कि स्त्री के दृष्टिकोण को अधिक गहराई से उभारा जाएगा। फिल्म उस दिशा में जाती तो है, पर पूर्णता तक नहीं पहुंचती।फिल्म यह प्रश्न उठाती है कि क्या अपराध की दुनिया में भी प्रेम संभव है? क्या प्रतिशोध ही मुक्ति है? क्या हिंसा के चक्र से बाहर निकलने का कोई रास्ता है?श्ओ रोमियोश् एक सुंदर, सघन और महत्वाकांक्षी फिल्म है। यह मनोरंजन से अधिक एक अनुभव है। शाहिद कपूर का प्रदर्शन लंबे समय तक याद रहेगा। विशाल भारद्वाज की सौंदर्य दृष्टि एक बार फिर सिद्ध करती है कि वे भारतीय सिनेमा के सबसे विशिष्ट फिल्मकारों में से एक हैं। परंतु, यह फिल्म महान होने से कुछ कदम दूर रह जाती है। मुख्यत: भावनात्मक निवेश की कमी और खलनायक की अस्पष्टता के कारण।फिर भी, इस फिल्म को इसलिए भी देखना जरूरी है क्योंकि यह हमें याद दिलाती है कि अपराध की दुनिया में भी कविता छिपी हो सकती है, और प्रेम कभी-कभी उस्तुरे की धार पर भी खिल सकता है। यह ऐसा सिनेमा है जो चोट भी करता है और सोचने पर मजबूर भी।नजदीकी सिनेमाघरों में है। देख लीजिएगा।

हिन्दी दैनिक जोखिम

संक्षिप्त समाचार...

नशा मुक्त भारत का लिया संकल्प

विकासनगर(संवाददाता)। श्री गुरु राम राय इंटर कॉलेज सहसपुर में रविवार को सामाजिक संस्था भागता भारत और अक्षांश फाउंडेशन की ओर से विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित कर युवाओं को नशे से दूर रहने का प्रेरित किया गया। दोनों ही संस्थाओं के पदाधिकारियों समेत युवाओं ने शपथ लेते नशा मुक्त भारत बनाने का संकल्प लिया। प्रतियोगिताओं में विजेता युवाओं को संस्था की ओर से सम्मानित किया गया। इस दौरान प्रध नाचार्य आलोक बिजल्वाण, अर्चना, रियासत खान रियाज, चंदन प्रसाद, अंकुर लखरा आदि मौजूद रहे।

हिमालय की सांस्कृतिक विरासतों का संरक्षण जरूरी

विकासनगर(संवाददाता)। मल्टीपल एक्शन ग्रुप फॉर इंटीग्रेटेड रूरल डेवलपमेंट सोसाइटी की ओर से रविवार को ब्लॉक सभागार में 'हिमालय की सांस्कृतिक विरासतों का संरक्षण' विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में स्थानीय लोक कलाकारों ने लोकगीतों और लोकनृत्यों के माध्यम से स्थानीय संस्कृति से रूबरू कराया। मुख्य अतिथि पीडी बहुखंडी ने हिमालय की सांस्कृतिक विविधता के संरक्षण को जरूरी करार देते हुए कहा कि उत्तराखंड संस्कृति का कस्टोडियन है। प्रशासन, जनप्रतिनिधि व समाज संस्कृति के दीपों को समेट कर एक सूत्र में पिरोएं। उन्होंने प्राकृतिक सौंदर्य के साथ संस्कृति के समावेश को विकास के लिए मील का पत्थर बताया। हिमालयन इंटरनेशनल स्कूल की चेयरपर्सन अनामिका पाराशर ने कहा कि पर्यावरणीय संकट, जलवायु परिवर्तन, अत्यधिक पर्यटन और संसाधनों की कमी विरासत के लिए चुनौती हैं।

सेलाकुई में शुरु होगा डोर टु डोर कूड़ा कलेक्शन

विकासनगर(संवाददाता)। सेलाकुई नगर पंचायत क्षेत्र में स्वच्छता व्यवस्था को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से रविवार को प्रत्येक वार्ड के लिए नए कूड़ा वाहन रवाना किए गए। नगर पंचायत अध्यक्ष सुमित चौधरी ने विधिवत पूजा-अर्चना कर इन वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने लोगों से कूड़ा हर दिन वाहनों में ही डालने की अपील करते हुए कहा कि नगर को स्वच्छ रखना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। नगर पंचायत अध्यक्ष चौधरी ने कहा कि नगर क्षेत्र में स्वच्छता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। नए कूड़ा वाहनों के संचालन से प्रत्येक वार्ड में घर-घर कूड़ा संग्रहण की व्यवस्था सुचारू रूप से की जा सकेगी। इससे सड़कों, गलियों और सार्वजनिक स्थलों पर कचरा फैलने की समस्या से काफी हद तक निजात मिलेगी। उन्होंने कहा कि स्वच्छ वातावरण न केवल शहर की सुंदरता बढ़ाता है, बल्कि नागरिकों के स्वास्थ्य के लिए भी अत्यंत आवश्यक है।

चकराता विधायक प्रीतम को बताई क्षेत्र की समस्याएं

विकासनगर(संवाददाता)। चकराता विधान सभा के जाड़ी गांव के ग्रामीणों ने रविवार को विधायक प्रीतम सिंह को क्षेत्र की समस्याओं से संबंधित ज्ञापन सौंपा। ग्रामीणों ने सदन में समस्याओं को उठाने की मांग की। इस दौरान विधायक आवास पर पहुंचे कई ग्रामीण कांग्रेस में भी शामिल हुए। पूर्व कनिष्ठ ब्लॉक प्रमुख शमशेर सिंह के नेतृत्व में रविवार को देहरादून स्थित विधायक आवास पर पहुंचे ग्रामीणों ने कहा कि त्यूणी में सौ बेड के अस्पताल का निर्माण बीते आठ साल से पूरा नहीं हुआ है, जिससे क्षेत्र की करीब दो लाख की आबादी को उपचार के लिए विकासनगर और हिमाचल प्रदेश के अस्पतालों में जाना पड़ता है। गांवों के संपर्क मार्गों का सुधारीकरण नहीं किया जा रहा है।

खामनेई की मौत पर शिया समुदाय ने निकाला मातमी जुलूस

विकासनगर(संवाददाता)। ईरान पर हुए अमेरिका और इजरायल के हमले में सर्वोच्च ईरानी नेता अयातुल्लाह खामनेई की मौत पर रविवार को अंबाड़ी में शिया समुदाय ने मातमी जुलूस निकालकर मजलिस की। जुलूस में शामिल लोगों ने इजरायल और अमेरिका के खिलाफ नारेबाजी करते हुए दोनों ही मुल्कों को इंसानियत का दुश्मन करार दिया। दोपहर की नमाज के बाद इकठ्ठा हुए शिया समुदाय के लोगों ने अंबाड़ी गांव से जुलूस निकाला, जो एनएच से होते हुए ईदगाह तक पहुंचा।

कराटे बेल्ट परीक्षा में 43 खिलाड़ी सम्मानित

ऋषिकेश(संवाददाता)। एके फाइट क्लब की ओर से आयोजित कराटे बेल्ट परीक्षा में सफल 43 खिलाड़ियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इस दौरान रिहल शर्मा, माही वर्मा, आरुष ढाली और रमन वर्मा को ब्लैक बेल्ट प्रदान कर विशेष रूप से सम्मानित किया गया। रविवार को विस्थापित कॉलोनी में एके फाइट क्लब द्वारा कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसका शुभारंभ मौन परिषद के उपाध्यक्ष गिरीश डोभाल, राज्य महिला आयोग की अध्यक्षा कुसुम कंडवाल, विस्थापित सराय के ग्राम प्रधान मीना रतूड़ी, प्रधान जनप्रतिनिधि जगदम्बा प्रसाद रतूड़ी ने संयुक्त रूप से किया। अतिथियों द्वारा क्लब द्वारा आयोजित कराटे बेल्ट परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले खिलाड़ियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

मुख्यमंत्री धामी के वन-क्लिक से जारी हुई फरवरी 2026 की पेंशन किश्त 9.57 लाख से अधिक लाभार्थी लाभान्वित

- 141 करोड़ 91 लाख 61 हजार की राशि का पारदर्शी वितरण

- सामाजिक सुरक्षा योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने का संकल्प दोहराया

देहरादून(संवाददाता)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि पेंशन प्रकरणों का निस्तारण पूर्ण तत्परता और समयबद्धता के साथ किया जाए तथा यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी पात्र व्यक्ति सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि पेंशन योजनाओं की जानकारी अधिक से अधिक योग्य लाभार्थियों तक पहुँचाने के लिए व्यापक जनसंपर्क अभियान संचालित किया जाए और वंचित एवं कमजोर वर्गों को योजनाओं से जोड़ने के लिए नवाचार आधारित प्रभावी कार्ययोजना शीघ्र प्रस्तुत की जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि "जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार" कार्यक्रम के अंतर्गत राज्यभर में आयोजित शिविरों का व्यापक सकारात्मक प्रभाव देखने को मिला है, जिसके परिणामस्वरूप पेंशनार्थियों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। उन्होंने इसे सरकार की संवेदनशील और प्रतिबद्ध कार्यशैली का प्रमाण बताते हुए निर्देश दिए कि दूरस्थ एवं पर्वतीय क्षेत्रों में ऐसे विशेष अभियान निरंतर जारी रखे जाएँ ताकि अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक सामाजिक सुरक्षा का लाभ सुनिश्चित किया जा सके।मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी रविवार को मुख्यमंत्री आवास में समाज कल्याण विभाग की समीक्षा बैठक ले रहे थे बैठक में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के करकमलों द्वारा समाज कल्याण विभाग की माह फरवरी 2026 की पेंशन किश्त का वन-क्लिक के माध्यम से सफलतापूर्वक भुगतान किया गया। इस अवसर पर कुल 9,57,651 लाभार्थियों को 14,191.61 लाख अर्थात 141 करोड़ 91 लाख 61 हजार की धनराशि वितरित की गई। यह राशि मासिक पेंशन के साथ-साथ एरियर भुगतान को भी सम्मिलित करती है, जिससे पात्र लाभार्थियों को समय पर आर्थिक संबल प्राप्त हुआ है।फरवरी माह में वृद्धावस्था पेंशन योजना के अंतर्गत 5,93,184 लाभार्थियों को प्रति माह ₹1500 की दर से 8897.76 लाख की धनराशि वितरित की गई, जबकि विधवा पेंशन योजना के तहत 2,31,593 लाभार्थियों को 1500 प्रतिमाह की दर से 3473.895 लाख का भुगतान किया गया। दिव्यांग पेंशन योजना में 87,477 लाभार्थियों को 1500 प्रतिमाह के अनुसार ₹1312.155 लाख की राशि हस्तांतरित की गई। किसान पेंशन योजना के अंतर्गत 27,638 लाभार्थियों को 1200 प्रतिमाह की दर से 331. 656 लाख वितरित किए गए। परित्यक्ता पेंशन योजना में 8,096 लाभार्थियों को 1200 प्रतिमाह के अनुसार ₹97.24 लाख की राशि दी गई, जबकि भरण-पोषण अनुदान योजना के अंतर्गत 7,409 लाभार्थियों को 700 प्रतिमाह की दर से 51.86 लाख वितरित किए गए। तीलू रौतेली पेंशन योजना में 2,125 लाभार्थियों को ₹1200 प्रतिमाह के अनुसार 25.5 लाख की राशि प्रदान की गई तथा बौना पेंशन योजना के तहत 129 लाभार्थियों को ₹1200 प्रतिमाह की दर से 1.55 लाख की धनराशि हस्तांतरित की गई।मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि सामाजिक सुरक्षा योजनाएँ केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि राज्य सरकार की संवेदनशीलता, सामाजिक न्याय और समावेशी विकास के संकल्प की सशक्त अभिव्यक्ति हैं। सरकार का स्पष्ट लक्ष्य है कि समाज के कमजोर, वंचित और जरूरतमंद वर्गों को सम्मानपूर्वक जीवनयापन हेतु निरंतर और प्रभावी आर्थिक संबल उपलब्ध कराया जाए। बैठक में सचिव श्रीधर बाबू अद्यांकी, अपर सचिव संदीप तिवारी, संजय सिंह टोलिया सहित समाज कल्याण विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

मंत्री गणेश जोशी ने किया उत्तरांचल प्रेस क्लब सहित अन्य स्थानों पर आयोजित होली मिलन समारोह में प्रतिभाग

देहरादून(संवाददाता)। रविवार को कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने देहरादून के प्रेमनगर में माँ बधाणगढ़ी पिंडर घाटी समिति द्वारा आयोजित होली मिलन समारोह के साथ-साथ उत्तरांचल प्रेस क्लब एवं कुर्मांचल परिषद हाथीबड़कला शाखा द्वारा आयोजित होली मिलन समारोहों में प्रतिभाग कर प्रदेशवासियों को होली पर्व की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि रंगों का यह त्योहार समाज में सद्भाव और एकता का संदेश देता है।

देहरादून के प्रेमनगर में माँ बधाणगढ़ी पिंडर घाटी समिति द्वारा आयोजित होली मिलन समारोह में सहभागिता की। इस अवसर पर मंत्री जोशी ने फूलों की होली खेली तथा उपस्थित जनसमूह को रंगों के इस पावन पर्व की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि होली का पर्व आपसी प्रेम, भाईचारे और सामाजिक समरसता का प्रतीक है। इस दौरान उन्होंने पिंडर घाटी क्षेत्र में आवश्यक स्थानों पर मिलन केंद्र बनाए जाने की घोषणा भी की, जिससे स्थानीय लोगों को सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए बेहतर सुविधा उपलब्ध हो सके। इसके उपरांत मंत्री जोशी ने उत्तरांचल प्रेस क्लब द्वारा आयोजित होली मिलन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया। उन्होंने पत्रकार बंधुओं को होली की शुभकामनाएं देते हुए लोकतंत्र में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना की। तत्पश्चात कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने कुर्मांचल परिषद, हाथीबड़कला द्वारा आयोजित होली मिलन समारोह में भी सहभागिता की। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड की सांस्कृतिक परंपराएं हमारी पहचान हैं और ऐसे आयोजन समाज को जोड़ने का कार्य करते हैं।

विदेश में नौकरी दिलाने के नाम पर युवक से छह लाख ठगे

देहरादून(संवाददाता)। विदेश में मर्चेंट नेवी में नौकरी दिलाने का झांसा दे एक युवक से छह लाख रुपये ठग लिए गए। पीड़ित की शिकायत पर नेहरू कॉलोनी थाना पुलिस ने शनिवार को कथित शिप मैनेजमेंट कंपनी चलाने वाले एक दंपति समेत तीन लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एसओ नेहरू कॉलोनी संजीत कुमार ने बताया कि नवादा निवासी विपेंद्र सिंह ने तहरीर दी। बताया कि उनकी मुलाकात स्थानीय निवासी विशाल दीक्षित के जरिए हरियाणा मूल के आशीष जेटली और उसकी पत्नी लवी जेटली से हुई थी। यह दंपति सहस्रधारा रोड स्थित अमन विहार में एलएसएस शिप मैनेजमेंट के नाम से अपना कार्यालय चलाता है। आरोप है कि आशीष ने विपेंद्र को विदेश में अच्छे वेतन पर नौकरी का सब्जबाग दिखाया और इसके एवज में छह लाख रुपये की मांग की। झांसे में आकर विपेंद्र ने चार लाख रुपये आशीष के बैंक खाते में और दो लाख रुपये विशाल की पत्नी करिश्मा दीक्षित के खाते में ट्रांसफर कर दिए।

टिहरी लेक फेस्टिवल होटल, होमस्टे से लेकर वॉटर स्पोर्ट्स में मिलेगी विशेष छूट

- शासन, प्रशासन के साथ जन सहभागिता का शानदार उदाहरण बनने जा रहा है आयोजन

नई टिहरी(संवाददाता)। टिहरी जनपद में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए आगामी 6 से 9 मार्च के बीच प्रस्तावित टिहरी लेक फेस्टिवल, शासन- प्रशासन और स्थानीय जन सहभागिता का शानदार उदाहरण बनने जा रहा है। जहां एक और जिला प्रशासन प्रतिभागियों को हर तरह से सुविधा देने का प्रयास कर रहा है, वहीं स्थानीय होटल, होमस्टे संचालकों से लेकर वाटर स्पोर्ट्स संचालित करने वाले निजी हितधारकों ने भी प्रतिभागियों को शुल्कों में विशेष छूट देने का निर्णय लिया है। टिहरी जिला प्रशासन और उत्तराखंड पर्यटन विकास परिषद के संयुक्त प्रयासों से जिले के विभिन्न स्थानों में आगामी 6 से 9 मार्च के बीच भ्पउंसंलंद 2 ख टिहरी लेक फेस्टिवल का आयोजन किया जा रहा है। आयोजन में देशभर से प्रतिभागी शामिल हो रहे हैं। खास बात यह है कि प्रतिभागियों को इस दौरान होटल, होमस्टे, वॉटर स्पोर्ट्स एक्टिविटी में विशेष छूट मिलेगी। मुख्य विकास अधिकारी वरुणा अग्रवाल ने बताया कि आयोजन के लिए पंजीकरण करवाने वाले प्रतिभागियों को इन तिथियों में स्थानीय होटल और होमस्टे के किराए में 20 प्रतिशत की छूट मिलेगी, जबकि वॉटर स्पोर्ट्स एक्टिविटी में 25 प्रतिशत तक छूट मिलेगी, पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सभी हितध ारकों ने स्वयं यह पहल की है।स्थानीय संस्कृति को बढ़ावा : आयोजन के दौरान प्रतिभागी उत्तराखंड की संस्कृति और खान पान की विशिष्ट परंपरा से भी परिचित होंगे। इसके लिए जहां मास्टर शेफ प्रतियोगिता में स्थानीय व्यंजनों की प्रतियोगिता होगी, वही फैशन शो में भी प्रतिभागी स्थानीय पहनावे और गहनों में सजे नजर आएंगे। सबसे बड़ा आकर्षण 6 मार्च को कोटी कॉलोनी में पांडवाज बैंड और वीर भड़ माधो सिंह भंडारी की जीवनगाथा पर आधारित नाट्य प्रस्तुति की होगी। इसके अलावा विभिन्न तिथियों पर स्थानीय कलाकार भी प्रस्तुति देंगे। टिहरी लेक फेस्टिवल, जनपद का सबसे बड़ा आउटडोर फेस्टिवल है, इसके तहत हम जनपद के अलग - अलग क्षेत्रों में होने वाली ट्रैकिंग, माउंटेन बाइकिंग, रॉक क्लाइंबिंग, राफ्टिंग जैसी पर्यटन गतिविधियों को शामिल करते हुए, पर्यटकों को जनपद की पर्यटन संभावनाओं से परिचित कराने का प्रयास कर रहे हैं, इसमें स्थानीय लोगों का भी सहयोग मिल रहा है। दूरस्थ क्षेत्रों में ट्रैकिंग अभियान आयोजित किए जाने से ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

गोशाला में लगी आग, सूखी घास के कारण आग हुई विकराल

चमोली(संवाददाता)। नगर क्षेत्र से लगे गोरंग गांव में रविवार सुबह अचानक एक गोशाला में आग लग गई। लोगों ने मवेशी सुरक्षित निकाल लिए लेकिन गोशाला में रखी सूखी घास व अन्य सामान जलकर नष्ट हो गया। सेना के जवानों ने तुरंत मौके पर पहुंचकर आग को काबू किया।रविवार को गोशाला में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया। परिजनों व अन्य लोगों ने समय रहते गोशाला से सभी मवेशियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया जिससे पशुहानि नहीं हुई। मगर गोशाला के अंदर और उसकी छत पर रखी घास व अन्य सामग्री जलकर नष्ट हो गई। सूखी घास के कारण आग विकराल हुई। पीड़ित वैभव सकलानी ने बताया कि आग की सूचना पर भारतीय सेना की आइबेक्स ब्रिगेड के जवान तुरंत अग्निशमन वाहन के साथ मौके पर पहुंचे और आग बुझाने में जुट गए। जवानों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू किया लेकिन घास और अन्य सामग्री जलने से आर्थिक नुकसान हुआ है।पूर्णा गांव में लगी आग पर पाया काबू देवाल। वन विभाग व अलकनंदा ने ग्रामीणों के सहयोग से वन पंचायत पूर्णा में लगी आग पर काबू पा लिया। शनिवार देर रात अचानक वन पंचायत पूर्णा के जंगल में तेजी से आग फैल गई। ग्रामीणों की सूचना पर वन विभाग व अलकनंदा के कर्मी ग्रामीणों के साथ मौके पर पहुंचे। करीब दो घंटे के प्रयास के बाद आग पर काबू पा लिया गया। वन पंचायत संगठन के अध्यक्ष गोविंद सोनी ने बताया कि वन दरोगा विजयपाल, सुरेश राम, रजनी देवी, दिग्पाल, लक्ष्मण राम, चंदा देवी, सरस्वती देवी, बाली राम, राकेश आदि के सहयोग से आग पर काबू पाया गया।

प्रस्तावित दिल्ली रैली पर माकपा ने की बैठक में चर्चा

चमोली(संवाददाता)। माकपा की यहां आयोजित पिंडर कमेटी की बैठक में 24 मार्च को दिल्ली में होने वाली प्रदर्शन पर चर्चा की गई। माकपा के पिंडर सचिव ललित मिश्रा की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में पार्टी के जिला मंत्री मदन मिश्रा व किसान सभा के जिला संयोजक भूपाल रावत ने कहा कि अमेरिका के साथ हुए व्यापारिक समझौते में केंद्र सरकार ने देश की संप्रभुता और किसानों के हित की बलि चढ़ा दी है। पार्टी श्रम कानून में बदलाव के खिलाफ, किसान विरोधी नीतियों के खिलाफ मुक्त व्यापार समझौता को रद्द करने, स्मार्ट मीटर लगाने का विरोध, सार्वजनिक संसाधनों की लूट, वीबीजी रामजी बिल को निरस्त करने आदि दिल्ली रैली के मुद्दे होंगे। बैठक में देवराम वर्मा, जयबीर सिंह, प्रेम बल्लभ शर्मा, गबर सिंह, भुवन सिंह, दर्शन सिंह, गजे सिंह, खड़क सिंह और बलवंत सिंह आदि मौजूद रहे।

निगम कर्मचारियों को होली पर मिलेगा अग्रिम भुगतान

श्रीनगर गढ़वाल(संवाददाता)। उत्तराखंड परिवहन निगम की ओर से जनवरी माह का वेतन अब तक जारी न होने से कर्मचारियों में नाराजगी है। इसी बीच होली पर्व से पूर्व निगम प्रशासन ने राहत देते हुए कर्मचारियों को अग्रिम धनराशि देने के आदेश जारी किए। निगम मुख्यालय से जारी आदेश के अनुसार नियमित अधि कारियों व कर्मचारियों को 5000 रुपये तथा संविदा/आउटसोर्स कर्मचारियों को 2500 रुपये अग्रिम वेतन के रूप में दिए जाएंगे। यह राशि आगामी वेतन से समायोजित की जाएगी। इच्छुक कर्मचारियों को निर्धारित प्रारूप में आवेदन करना होगा। निगम प्रशासन ने निर्देशित किया है कि पात्र कर्मचारियों की सूची तैयार कर समय से भुगतान सुनिश्चित करें।

भक्तियाना में खेली फूलों की होली

श्रीनगर गढ़वाल(संवाददाता)। भक्तियाना क्षेत्र स्थित शीतला माता मंदिर में मंदिर समिति की ओर से होली मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। लोग रंगों के संगम में सराबोर हो गए। कार्यक्रम का शुभारंभ कीर्तन मंडली ने भगवान के स्मरण और मंगलाचरण से किया। इसके बाद गायकों ने होली गीतों की प्रस्तुति दी। ढोलक और मंजीरे की थाप पर लोग झूमे। इस अवसर पर फूलों की होली भी खेली गई। दूसरी ओर एचएनबी गढ़वाल विवि के बिड़ला परिसर में एबीवीपी की ओर से होली मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं और आपसी भाईचारे व सौहार्द का संदेश दिया। डीजे की धुन पर युवाओं ने पारंपरिक और फिल्मी गीतों पर जमकर नृत्य किया। वहीं नगर के कल्याणेश्वर मंदिर में भागीरथी कला संगम और अवकाश प्राप्त कर्मचारी संगठन की संयुक्त बैठक हुई। बैठक में दोनों संगठनों ने आपसी समन्वय के साथ होली मिलन कार्यक्रम करने का निर्णय लिया। होली मिलन कार्यक्रम दो मार्च को शाम चार बजे से अवकाश प्राप्त कर्मचारी संगठन कार्यालय के सभागार में होगा। बैठक में भागीरथी कला संगम के अध्यक्ष राजेंद्र बर्थवाल रमेश चंद्र थपलियाल, भगत सिंह बिष्ट, हरेंद्र तोमर, किशोरी नौटियाल, अवधेश मणि, संजय कोठारी, पदमेंद्र रावत उपस्थित रहे।

बिना लाइसेंस खाद्य पदार्थों की बिक्री करने पर सात लोगों को थमाए नोटिस

नई टिहरी(संवाददाता)। होली के दौरान बाजारों में मिलावटी खाद्य पदार्थों की बिक्री रोकने के लिए खाद्य सुरक्षा विभाग की ओर से घनसाली, लंबगांव, प्रतापनगर, चंबा और तपोवन बाजार क्षेत्र की दुकानों में चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान टीम ने अलग-अलग दुकानों से 19 खाद्य पदार्थों के सैंपल भरकर प्रयोगशाला जांच को भेजे हैं। बिना लाइसेंस खाद्य पदार्थ बेचने पर सात लोगों को मौके पर नोटिस थमाकर एक सप्ताह में जवाब देने को कहा। जिला खाद्य सुरक्षा अधिकारी प्रमोद रावत, वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी शारदा शर्मा ने बताया कि निरीक्षण के दौरान अलग-अलग दुकानों से मिठाई, दूध, दही, पापड़, सूजी, तेल, नमकीन के सैंपल भरे गए। दुकानों में एक्सपायरी सामान की जांच के लिए जिला विधि क सेवा प्राधिकरण के सचिव / सीनियर सिविल जज आलोक राम त्रिपाठी के नेतृत्व में संयुक्त चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान दुकानदारों को मानक के अनुरूप खाद्य पदाथों की बिक्री करने और साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखने को कहा गया।

संदिग्ध मौत का नहीं हुआ खुलासा, ग्रामीणों ने बैठक कर जताई नाराजगी

चमोली(संवाददाता)। ब्लॉक के कोठुली गांव में रामलाल (44) की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के मामले में प्राथमिकी दर्ज होने के दो सप्ताह बाद भी कोई खुलासा ना होने से नाराज परिजनों ने ग्रामवासियों के साथ बैठक की। उन्होंने दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग करते हुए चेतावनी दी यदि मामले का जल्द खुलासा नहीं किया गया तो प्रदर्शन के लिए बाध्य होंगे। बीती 9 फरवरी की रात को कोठुली के रामलाल गांव के बरात में बैंड बजाने गए थे। देर रात रामलाल परिजनों को घायल अवस्था में रास्ते पर मिले थे। परिजन रात को ही उन्हें अस्पताल ले गए लेकिन 11 फरवरी को एम्स ऋषिकेश में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। बीते 16 फरवरी को मृतक की पत्नी ने थराली थाने में अज्ञात लोगों के खिलाफ मारपीट का आरोप लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई थी। तब पुलिस ने कई लोगों से पूछताछ भी की थी। मगर अब तक मामले का खुलासा न होने से आक्रोशित कोठुली के ग्रामवासियों ने प्रधान प्रियंका देवी की अध्यक्षता में बैठक की। बैठक में ममंद, युमंद समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। उन्होंने मौत का अभी तक कोई खुलासा नहीं होने पर नाराजगी जताई। वहीं थानाध्यक्ष विनोद चौरसिया ने बताया कि मामले की गहन जांच की जा रही है। जल्द मामले का खुलासा होगा।

उप वन क्षेत्राधिकारी को दी भावभीनी विदाई

चमोली(संवाददाता)। केदारनाथ वन्यजीव प्रभाग की नागनाथ रेंज में उप वन क्षेत्राधिकारी बीरेंद्र सिंह नेगी 40 साल की लंबी सेवा के बाद सेवानिवृत्त हो गए। विभागीय कर्मचारियों व अधिकारियों ने उन्हें भावभीनी विदाई दी। वन क्षेत्राधिकारी नवल किशोर सहित अन्य कर्मियों ने फूल मालाओं से सम्मानित करते हुए ढोल दमाऊ के साथ उन्हें आवास तक छोड़ने गए। इस दौरान वन दरोगा आनंद सिंह रावत, मोहन सिंह, वन आरक्षी उमेद सिंह, मकर सिंह राणा, शालिनी, पूजा, महेशी, ममता, दिनेश राणा आदि मौजूद रहे।

कासुंवा, क्योंड समेत कई गांवों में गुलदार की दहशत

चमोली(संवाददाता)। कांसुवा के पास क्योंड गांव में महिला पर गुलदार के हमले के बाद से ग्रामीण दहशत में हैं। गांव के गोविंद लाल ने बताया कि शनिवार दोपहर को पत्नी मधुली देवी गुलदार के हमले में बाल-बाल बची लेकिन गुलदार के नाखून उसके पैर में लगे। इस घटना से क्योंड, बूंगा, कंड, तलोंजा, पंया आदि गांवों में गुलदार की दहशत है। पूर्व जिपंस कलम कोहली और ग्रामीण भरत लाल ने बताया कि आजकल उत्तराखंड की बोर्ड परीक्षाओं के लिए छात्र-छात्राओं को क्योंड गांव से चार किमी की दूरी जंगल के रास्तों से पैदल तय करके जीआईसी कांसुवा जाना पड़ता है। इससे नौनिहालों की सुरक्षा को लेकर अभिभावकों में चिंता है। उन्होंने शासन-प्रशासन और वन विभाग से गुलदार की दहशत से निजात दिलाने की मांग की। वहीं वन दरोगा त्रिलोक सिंह नेगी ने बताया कि विभागीय टीम क्योंड और आसपास के गांवों में लगातार गश्त कर रही है। पिंजरा लगाने के लिए उच्चाधिकारियों को अवगत करा दिया गया है।

जूनियर हाईस्कूल जौरासी का राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए हुआ चयन

चमोली(संवाददाता)। राजकीय जूनियर हाईस्कूल जौरासी का चयन स्वच्छ एवं हरित विद्यालय की राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए हुआ है। एनसीईआरटी (राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद) नई दिल्ली से आए पर्यवेक्षक ने विद्यालय में सफाई संबंधी व्यवस्थाओं की सराहना की। विजेता को एक लाख रुपये मिलेंगे। शिक्षक डॉ. बृजेश कठैत ने बताया कि विद्यालय ने पहले ब्लॉक और फिर जिला स्तर पर स्वच्छ एवं हरित विद्यालय रेटिंग में प्रथम स्थान हासिल किया। राज्य स्तर पर चयनित होने के बाद एनसीईआरटी ने अंतिम मूल्यांकन किया इसमें भी विद्यालय ने उत्कृष्ट स्थान हासिल किया।

हिन्दी दैनिक जोखिम

होली व रमजान को लेकर कोतवाली मे अमन कमेटी की बैठक समपन्न

2 मार्च को होलिका पूजन, 3 मार्च को दहन व 4 मार्च को रंगोत्सव

आपसी सौहार्द की मिसाल कायम नमाज का टाईम एक घंटे बड़ाया

रामनगर (संवाददाता)। होली व रमजान के पर्व को लेकर कोतवाली मे अमन कमेटी की बैठक समपन्न हुयी जिसमे आगामी त्यौहार को आपसी सौहार्द से शांतिपूर्ण तरीके से मनाये जाने का निर्णय लिया गया। बैठक मे नवयुवक समिति होलिका कमेटी के कोषाध्यक्ष पं. रविशंकर शुक्ला ने बताया कि आगामी 2 मार्च की सुबह 11 बजे व होलिका पूजन व 3 मार्च की शाम 5 बजे होलिका दहन व 4 मार्च को रंगोत्सव (छलड़ी) मनाया जायेगा। बैठक मे जामा मस्जिद इंतजामिया कमेटी के सदर शकील खान ने कौमी एकता की मिसाल कायम करते हुये रंग वाले दिन 4 मार्च को शहर की जामा मस्जिद मे जोहर की नमाज का टाईम एक घंटा बड़ाकर दोपहर दो बजे किये जाने के निणर्य की बात कही साथ मौहल्ला खताड़ी मे मिश्रित आबादी वाले क्षेत्र मे स्थित छप्पर वाली मस्जिद मे भी नमाज का टाईम बड़ाकर दो बजे रखे जाने का निर्णय की जानकारी वहाँ के सभासद मौ. अजमल के दी गयी। बैठक मे इस मौके पर ब्लॉक प्रमुख मंजू नेगी व ज्येष्ठ ब्लॉक प्रमुख संजय नेगी, नगर पालिकाध्यक्ष हाजी मौ. अकरम ने होली के पर्व को आपसी भाईचारे व शांतिपूर्ण तरीके से मनाये जाने की गुजारिश की व होली के अवसर पर चलाये जाने वाले विशेष सफाई अभियान की जानकारी दी। बैठक मे कॉग्रेस नगराध्यक्ष भुवन शर्मा व खिदमते खल्क के अध्यक्ष जिशान कुरैशी ने होली पर हुंडदंगियो के विरूद्व कड़ी कार्यवाही की व सभासद पारस गोला ने होली पर पेयजल की सुचारू व्यवस्था की मांग रखी गयी। बैठक को सम्बोधित करते हुये बैठक की अध्यक्षता कर रहे एसडीएम चौहान ने सभी को होली के पर्व की बधाई देते हुये आपसी सौहार्द से होली मनाये जाने व अफवाहो पर ध्यान नही दिये जाने की बात कही। बैठक का संचालन कर रहे ट्रैफिक इंस्पेक्टर वेदप्रकाश भट्ट ने क्षेत्रवासियो से होली के पर्व को शांतिपूर्ण तरीके से मनाये जाने की बात कहते हुये सोशल मीडिया पर ध्यान नही देने व हुड़दंगियो के विरूद्व कड़ी कार्यवाही किये जाने बात कही। बैठक मे एसएसआई महेन्द्र प्रसाद टम्टा, मुंशी शेखर बिष्ट, पालिका के प्रभारी स्वास्थ निरीक्षक लल्ला मियॉ, जल संस्थान के जेई शीशपाल सिंह, विद्युत विभाग के जेई दुर्गेश कुमार जोशी, सभासद तजुज दुर्गापाल, सभासद शिवि अग्रवाल, सभासद सचिन पुच्ची, डॉ. जफर सैफी, पुनी शंकर अग्रवाल, हिमांशु अग्रवाल, अमित मोहन अग्रवाल, विनोद अंजान, तेजपाल, जयदेव सिंह, मौ. अजीम एडवोकेट आदि मौजूद रहें।

छात्रसंघ द्वारा आयोजित होली महोत्सव का आयोजन

रामनगर (संवाददाता)। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय रामनगर में छात्रसंघ द्वारा आयोजित होली महोत्सव का आयोजन किया गया और छात्रसंघ कार्यालय का शुभारंभ भी किया गया।भाजपा जिला उपाध्यक्ष गणेश रावत और पब्लिक स्कूल एसोसिएशन रामनगर के अध्यक्ष शिशुपाल सिंह रावत ने संयुक्त रूप से छात्रसंघ कार्यालय का फीता काटकर शुभारंभ किया और सभी पदाधिकारियों को छात्र हित में कार्य करने के लिए आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सहयोग, समर्पण और सकारात्मक सोच के रंगों से सजा यह आयोजन अत्यंत भव्य, अनुकरणीय और यादगार रहा। छात्रसंघ कार्यालय अब विद्यार्थियों की आवाज, उनके नेतृत्व विकास, नवाचार और रचनात्मक पहलों का एक सशक्त मंच बनेगा।जहाँ हर विचार को दिशा और हर प्रतिभा को अवसर मिलेगा।होली मंगल मिलन कार्यक्रम में रंगों की फुहार, मुस्कानों की चमक और भाईचारे की मिठास ने पूरे परिसर को उत्सवमय बना दिया। गुलाल के हर रंग में एकता, प्रेम और नई ऊर्जा का संदेश झलक रहा था।सभी छात्र छात्राओं को उनके उज्ज्वल, सफल और उज्जवल भविष्य की हार्दिक शुभकामनाएँ एवं होली की ढेरों बधाई दी। इस दौरान पब्लिक स्कूल एसोसिएशन रामनगर के अध्यक्ष शिशुपाल सिंह रावत, भाजपा जिला उपाध्यक्ष गणेश रावत, छात्रसंघ अध्यक्ष किशन कुमार, छात्रसंघ उपाध्यक्ष मनोज पांडे,छात्रसंघ छात्रा उपाध्यक्ष खुशी कश्यप, छात्रसंघ कोषाध्यक्ष संक्रांत सिंह, अभिनव लटवाल,बलदेव सिंह रावत, कृपाल जोशी, एडवोकेट पंकज सत्यवली आदि मौजूद रहें।

जिला प्रशासन ने सख्त कदम उठाए

हल्द्वानी (संवाददाता)। /कृषि प्रयोजन के लिए आवंटित पट्टे की जमीन के व्यावसायिक उपयोग का मामला उजागर होने पर जिला प्रशासन ने सख्त कदम उठाए हैं। जिला मजिस्ट्रेट ललित मोहन रयाल की अदालत ने पट्टे की शर्तो का उल्लंघन पाए जाने पर सूर्या गांव, पट्टी चोपड़ा स्थित 0.220 हेक्टेयर भूमि को राज्य सरकार में निहित करने के आदेश जारी किए हैं।जानकारी के अनुसार, यह भूमि गोपाल सिंह, केशर सिंह और उदुली देवी को श्रेणीख्र5 और श्रेणीख्र7(क) के अंतर्गत कृषि कार्य के लिए पट्टे पर दी गई थी। जांच में सामने आया कि भूमि का उपयोग कृषि के बजाय विकास किरोला के पक्ष में लीज पर देकर व्यावसायिक गतिविधियों के लिए किया गया। संबंधित भूमि पर होटल/रिसोर्ट का निर्माण कर उसका व्यवसायिक संचालन किया जा रहा था।राजस्व अभिलेखों की जांच और मौके पर निरीक्षण के दौरान अनियमितता की पुष्टि होने के बाद जिलाधिकारी ने भूमि को राज्य सरकार में निहित करने का आदेश पारित किया। साथ ही परगना अधिकारी, नैनीताल को निर्देश दिए गए हैं कि नियमानुसार भूमि का कब्जा लेकर शीघ्र रिपोर्ट प्रस्तुत करें। प्रशासन की इस कार्रवाई को पट्टा शर्तो के उल्लंघन के मामलों में कड़ा संदेश माना जा रहा है।

हल्द्वानी और लालकुआं क्षेत्र से अवैध शराब तस्करी के दो मामलों का खुलासा करते हुए दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया

हल्द्वानी/लालकुआं (संवाददाता)।। आगामी होली एवं रमजान पर्व के मद्देनजर जनपद में शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस का विशेष अभियान जारी है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नैनीताल के निर्देशन में चल रही सघन चेकिंग के दौरान हल्द्वानी और लालकुआं क्षेत्र से अवैध शराब तस्करी के दो मामलों का खुलासा करते हुए दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है।हल्द्वानी: स्कूटी से अंग्रेजी शराब की सप्लाई नाकामकोतवाली हल्द्वानी पुलिस ने मंगल पड़ाव क्षेत्र में चेकिंग के दौरान एक स्कूटी सवार को रोककर तलाशी ली। जांच में उसके पास से रॉयल स्टैग व्हिस्की के 144 पव्वे (03 पेटी) बरामद किए गए।गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान सोनू शर्मा पुत्र स्व. सतपाल शर्मा, निवासी खन्ना फार्म, तीन पानी, बरेली रोड के रूप में हुई है। पुलिस ने मौके से स्कूटी संख्या न्न04न 6470 भी सीज कर दी है।लालकुआं: 80 वर्षीय वृद्ध कच्ची शराब के साथ गिरफ्तारकोतवाली लालकुआं पुलिस ने जयपुर बीसा क्षेत्र में गश्त के दौरान एक 80 वर्षीय व्यक्ति को 54 पाउच अवैध कच्ची शराब के साथ गिरफ्तार किया।अभियुक्त की पहचान लाल सिंह पुत्र स्व. बहादुर सिंह, निवासी जयपुर बीसा, हल्दूचौड़, लालकुआं के रूप में हुई है।आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्जदोनों मामलों में पुलिस ने संबंधित अभियुक्तों के विरुद्ध आबकारी अधिनियम के तहत अभियोग पंजीकृत कर आवश्यक विधिक कार्यवाही शुरू कर दी है।पुलिस की अपीलपुलिस प्रशासन ने नागरिकों से पर्वो के दौरान शांति बनाए रखने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत डायल 112 पर देने की अपील की है।अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि नशे के कारोबार और कानून व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी।

नाबालिग बालिका से दुष्कर्म का मामले सामने आने से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया

रुद्रपुर (संवाददाता)। /पंतनगर में एक विश्वविद्यालय परिसर में एक 12 वर्षीय नाबालिग बालिका से दुष्कर्म का मामले सामने आने से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया. नाबालिग ने सुरक्षा गार्ड पर दुष्कर्म आरोप लगाया है. घटना के बाद क्षेत्र में आक्रोश का माहौल है. पुलिस के अनुसार, परिजनों की तहरीर के आधार पर आरोपी के खिलाफ पॉक्सो एक्ट तथा संबंधित आपराधिक धाराओं में मामला दर्ज किया गया है. आरोपी विश्वविद्यालय के सुरक्षा विभाग में ठेके पर कार्यरत गार्ड था.नाबालिग का आरोप है कि आरोपी ने उसे बहला-फुसलाकर एक बंद पड़े कमरे में ले गया, जहां उसके साथ जबरन दुष्कर्म किया. स्थानीय लोगों को संदेह होने पर उन्होंने विश्वविद्यालय सुरक्षा विभाग को सूचना दी. सूचना मिलते ही सुरक्षा कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर पुलिस को सूचित किया. इसके बाद नाबालिग को सुरक्षित बाहर निकाला गया. पुलिस के पहुंचने से पहले आरोपी मौके से फरार हो गया था.पंतनगर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक नंदन सिंह बिष्ट ने बताया कि परिजनों की शिकायत दर्ज होने के बाद पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए आरोपी को उसके एक रिश्तेदार के घर से गिरफ्तार कर लिया है. आरोपी मूल रूप से बदायूं (उत्तर प्रदेश) का निवासी बताया जा रहा है. उन्होंने बताया कि पीड़िता का मेडिकल परीक्षण कराया गया है और मजिस्ट्रेट के समक्ष उसका बयान दर्ज किया गया है. मामले की जांच जारी है और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी. पुलिस प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि मामले में किसी भी प्रकार की अफवाह या पीड़िता की पहचान से संबंधित जानकारी साझा न करें.

अवैध लकड़ी तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई

हल्द्वानी (संवाददाता)। /वन विभाग की सतर्क टीम ने अवैध लकड़ी तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए शांतिपुरी नंबर-4 क्षेत्र के पास आम की लकड़ी से भरे एक पिकअप वाहन को पकड़ लिया। घटना से क्षेत्र में हड़कंप मच गया है।प्राप्त जानकारी के अनुसार दिनांक 01 मार्च 2026 को खास मुखबिर की सूचना पर वन सुरक्षा टीम ने अभियान चलाया। कार्रवाई के दौरान वाहन संख्या न्न04 ब 7875 को रोकने का प्रयास किया गया, लेकिन वन टीम को देखते ही चालक वाहन मौके पर छोड़कर फरार हो गया।जांच में पाया गया कि वाहन में आम प्रजाति के वृक्षों का अवैध कटान कर बिना वैध प्रपत्रों के लकड़ी किच्छा की ओर ले जाई जा रही थी, जो वन अधिनियम का गंभीर उल्लंघन है।वन सुरक्षा टीम ने तत्परता दिखाते हुए पिकअप वाहन एवं बरामद अवैध लकड़ी को कब्जे में लेकर निजी संसाधनों की सहायता से डॉली रेंज वन परिसर में सुरक्षित खड़ा कराया। आगे की वैधानिक कार्रवाई हेतु वाहन एवं बरामद माल को डॉली रेंज स्टाफ की सुपुर्दगी में दे दिया गया है।वन विभाग द्वारा फरार चालक की तलाश तेज कर दी गई है तथा संबंधित तस्करों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की तैयारी की जा रही है। लगातार हो रही कार्रवाइयों से लकड़ी तस्करों में वन विभाग का खौफ साफ दिखाई दे रहा है।

फायरिंग की सनसनीखेज घटना से दहशत फैल गई

नैनीताल (संवाददाता)। /जिले में फायरिंग की सनसनीखेज घटना से दहशत फैल गई। सुबह अचानक गोलियां चलने की सूचना मिलते ही पुलिस महज पांच मिनट में मौके पर पहुंच गई। बाद में फॉरेंसिक टीम को बुलाकर घटनास्थल को घेर लिया गया और साक्ष्य जुटाने की कार्रवाई शुरू की गई।रामनगर क्षेत्र के पिरूमदारा चौकी के अंतर्गत थारी-कांडला में फायरिंग की गई। पीड़ित गुरमीत सिंह ने आरोप लगाया कि कुछ दिन पहले गांव के ही एक युवक को 8 से 9 किलो गांजे के साथ गिरफ्तार किया गया था, जो उनके पड़ोसी अर्जुन सिंह का रिश्तेदार है। गुरमीत का कहना है कि इसी गिरफ्तारी के बाद से अर्जुन सिंह उन्हें शक की नजर से देख रहा था और रंजिश रखे हुए था। उन्होंने आरोप लगाया कि अर्जुन सिंह बाहरी युवकों के साथ मिलकर गांव में दबाव और धमकी का माहौल बना रहा था।गुरमीत सिंह के अनुसार, रविवार सुबह क्रशर के पास उनके ट्रैक्टर चालक के साथ अभद्रता और जान से मारने की धमकी दी गई। इसके कुछ ही देर बाद अर्जुन सिंह कथित तौर पर चार-पांच साथियों के साथ उनके घर पहुंचा और ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। अचानक हुई गोलीबारी से घर में मौजूद महिलाएं और बच्चे घबरा गए और पड़ोसियों के यहां छिपकर जान बचानी पड़ी।पास के घर में रहने वाली सुखविंदर कौर ने भी अपने घर पर गोलियां चलने की बात कही। उनका कहना है कि बच्चों को कमरे में बंद कर किसी तरह सुरक्षित रखा गया। उन्होंने आरोप लगाया कि हमलावरों का संबंध नशे के कारोबार से है और रिश्तेदार की गिरफ्तारी के बाद से वे गांव वालों को धमका रहे थे।मामले में क्षेत्राधिकारी (सीओ) सुमित पांडे ने बताया कि सूचना मिलते ही पिरूमदारा चौकी और रामनगर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंच गई थी। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि गांजा तस्करी के मामले में हुई गिरफ्तारी को लेकर पैदा हुई रंजिश और गलतफहमी के चलते डराने के उद्देश्य से फायरिंग की गई। एक युवक रोहित गुर्जर का नाम सामने आया है, जिसके खिलाफ पहले से आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस उसकी आपराधिक पृष्ठभूमि की जांच कर रही है और तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज कर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

स्थानीय जन प्रतिनिधियों और ग्रामवासियों के साथ एक जन जागरुकता बैठक

रामनगर (संवाददाता)। मानव वन्य जीव संघर्ष की रोकथाम,न्यूनीकरण एवं वनाग्नि के सम्बन्ध में फील्ड डायरेक्टर कार्बेट टाइगर रिजर्व रामनगर के निर्देशन में कार्बेट टाइगर रिजर्व रामनगर ढेला रेंज के रेंजर भानु प्रकाश हरबोला अध्यक्षता में ढेला रेंज के अन्तर्गत ई०डी०सी० ग्राम हाथीडगर में प्रभाग दिवस के अवसर पर ग्राम सेमलखलिया व हाथीडगर के स्थानीय जन प्रतिनिधियों और ग्रामवासियों के साथ एक जन जागरुकता बैठक और अग्नि सुरक्षा गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें विभागीय अधिकारियो एवं जनप्रतिनिधियों ने ग्रामवासियों से वन क्षेत्रों में वन्य जीवों की बढती सक्रियता के

मद्देनजर लकडी एवं चारापत्ती एकत्र करने के लिए वन क्षेत्र में प्रवेश न करने और वर्तमान में चल रहे फायर सीजन में वनों को आग से सुरक्षित रखने के लिए अपील करते हुये मानव वन्य जीव संघर्ष की रोकथाम के लिए सहयोग की अपेक्षा की गई। इस दौरान ढेला रेंज के रेंजर भानु प्रकाश हर्बोला, ग्राम प्रधान रेनू भण्डारी, ईडीसी० अध्यक्ष लालूपुर बासीटीला सुच्चा सिंह, ईडीसी० अध्यक्ष हाथीडंगर जसवंत सिंह,ई०डी०सी० मनोरथपुर बसीटीला सुखविंदर सिंह, ईडीसी अध्यक्ष सावल्दे पूर्व / पश्चिम तारादत्त बेलवाल,जगतसिंह रावत, सिद्धार्थ रावत,नवीन चन्द्र पपनै आदि मौजूद रहें।

स्पोर्ट्स क्लब के सदस्यों के अलावा गणमान्य लोगों ने भागीदारी की

रामनगर (संवाददाता)। लखनपुर स्पोर्ट्स क्लब रामनगर में होली के आयोजन को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक हुई।जिसमें लखनपुर स्पोर्ट्स क्लब के सदस्यों के अलावा गणमान्य लोगों ने भागीदारी की। बैठक में लोगों ने प्यार, मोहब्बत, उमंग,सद्भाव,भाईचारा,सुख, समृद्धि,ऐश्वर्या जीवन के रंगों के त्यौहार होली पर्व को शराब ,नशा,हुड़दंग ,अश्लीलता जोर जबरदस्ती आदि से दूर रखने की अपील की है।वरिष्ठ अधिवक्ता बालम सिंह बिष्ट की अध्यक्षता एवं राज्य आंदोलनकारी प्रभात ध्यानी के संचालन संपन्न बैठक में निर्णय लिया गया कि होली का त्यौहार जीवन में खुशियों के रंग से जुड़ा हुआ है। इसलिए होली के त्यौहार को आपसी प्रेम ,सद्भाव भाईचारा के रूप में हर्षोल्लास के साथ मनाये और लोगों से अपील की गई है कि होली के त्योहार में शराब, नशा,हुड़दंग , अश्लीलता, जोर जबरदस्ती आदि से स्वयं को भी दूर रखें और अपने परिजनों,मित्रों, साथियों लोगों को भी प्रेरित करने का कोशिश करें। बैठक में उपस्थित लोगों ने आम जनता से यह भी निवेदन किया गया है यदि किसी को रंगों से एलर्जी है, किसी के घर में कोई अपना सगे संबंधी के निधन के कारण होली नहीं मना रहा है या किसी को टीका लगाने से परहेज है तो उसकी भावना का सम्मान करें,जबरदस्ती रंग और टीका लगाने की कोशिश ना करें।

वीर नारियो और युद्ध आहत व वीर सैनिको का हुआ सम्मान

रामनगर (संवाददाता)। हर साल की तरह इस वर्ष भी हल्द्वानी में पूर्व सैनिकों के सम्मान के लिए कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमे रामनगर से पहुंचे कई वीर सैनिको,वीर नारियो व सेना की सेवा के पश्चात् पुनः समाज मे बेहतर कार्यो के लिए पूर्व सैनिको को सम्मानित किया गया।कार्यक्रम मे पहुंचे पूर्व सैनिक कल्याण एवम उत्थान समिति के सचिव हवलदार भुवन सिंह डंगवाल द्वारा बताया गया कि यह कार्यक्रम हर वर्ष उत्तर भारत एरिया द्वारा किया जाता है।जिसमे नैनीताल जनपद व अल्मोड़ा जनपद की वीर नारियो व पूर्व सैनिको को उनके बेहतर कार्यो के लिए सम्मानित किया जाता है। इस कार्यक्रम मे तीन वीर नारियो,दो युद्ध आहात सैनिको को उत्तर भारत बरेली द्वारा सम्मानित किया गया है।सम्मानित होने वाली वीर नारियों मे कमला देवी डंगवाल पत्नी शहीद रघुनाथ सिंह डंगवाल, जयंती देवी पत्नी शहीद राम प्रसाद ध्यानी,प्रमिला देवी माता सोहन सिंह थी।युद्ध आहत पूर्व सैनिक हवलदार चंदन राम व बहादुर सिंह भंडारी थे।कार्यक्रम मे लगभग 65 पूर्व सैनिको द्वारा प्रतिभाग कर लाभ प्राप्त किया गया।जिसमे रामनगर से पूर्व सैनिक संगठन के अध्यक्ष कुलवंत सिंह रावत के नेतृत्व मे लगभग 20 पूर्व सैनिको व मालधन से नायब सूबेदार भोपाल राम और नायब सूबेदार चंडी प्रसाद के नेतृत्व मे लगभग 30 लोगो द्वारा प्रतिभाग किया गया।

अथरबनी में होली की रंगत, पारंपरिक गीतों से गूंज रहा गांव

अल्मोड़ा(संवाददाता)। हवालबाग विकासखंड की ग्रामसभा अथरबनी इन दिनों होली के रंग में पूरी तरह सराबोर है। गांव में बैठकी और खड़ी होली की परंपरा पूरे उत्साह के साथ निभाई जा रही है, जिससे वातावरण लोकसंस्कृति और उल्लास से भर गया है। ग्रामसभा क्षेत्र में दिनभर पारंपरिक होली गीतों, नृत्य और वादन की स्वर लहरियां गूंज रही हैं। महिला होल्यारों की प्रस्तुतियों ने विशेष आकर्षण पैदा किया है। श्शिव के मन माहीं बसे काशीश, श्सिद्धि को दाता विघ्न विनाशकश, श्होली खेले गिरजापति नंदनश, श्जल कैसे भरूं जमुना गहरीश और श्जोगी आयो शहर में व्यापारी जैसे पारंपरिक गीतों पर महिलाओं ने मनमोहक प्रस्तुति दी, जिसे सुनने के लिए लोग बड़ी संख्या में जुट रहे हैं। इसके साथ ही श्रंग बरसेश, श्होली के दिनश, श्होली खेलें रघुबीराश जैसे लोकप्रिय बॉलीवुड गीतों पर भी लोग झूमते नजर आए। गांव में दिन के समय घर-आंगनों में महिलाओं की होली का आयोजन हो रहा है, जबकि रात के समय मंदिरों में पुरुषों की बैठकी और खड़ी होली की महफिल सज रही है। ढोलक, मंजीरा और हारमोनियम की संगत में गाए जा रहे होली गीतों ने माहौल को पूरी तरह उत्सवमय बना दिया है। लोग एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दे रहे हैं। इसी के साथ बच्चे भी होली की मस्ती में डूबे हुए हैं। ग्राम प्रधान विनोद जोशी ने कहा कि होली केवल रंगों का पर्व नहीं, बल्कि आपसी प्रेम, सौहार्द और सांस्कृतिक विरासत को संजोने का माध्यम है। उन्होंने सभी ग्रामीणों को होली की बधाई देते हुए इस परंपरा को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। स्थानीय बुजुर्गों का कहना है कि कुमाऊंनी होली की यह परंपरा पीढ़ियों से चली आ रही है, जिसमें शास्त्रीय रागों पर आधारित बैठकी होली और लोक रंग में रची-बसी खड़ी होली का विशेष महत्व है। अथरबनी में इन दिनों यही परंपरा पूरे शबाब पर है, जो गांव की सांस्कृतिक पहचान को जीवंत बनाए हुए है।

संदिग्ध/संवेदनशील जगहों पर चौकिंग अभियान चलाकर शराब खाम के विरुद्ध अभियान चलाया

रामनगर (संवाददाता)। आबकारी आयुक्त उत्तराखंड शासन देहरादून के आदेशों के क्रम में होली पर्व से पूर्व विशेष प्रवर्तन अभियान के तहत जिलाधिकारी नैनीताल एवं जिला आबकारी अधिकारी के निर्देशों के अनुसार रामनगर क्षेत्र में आबकारी निरीक्षक उमेश पाल के नेतृत्व में बाहरी राज्यों से आ रहे

वाहनों की हल्दुआ क्षेत्र में चौकिंग और रामनगर के आस -पास के संदिग्ध /संवेदनशील जगहों पर चौकिंग अभियान चलाकर शराब खाम के विरुद्ध अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान अवैध कच्ची शराब की 2 भट्टीया तोड़ी गई, और मौके पर शराब खाम बनाने वाले सभी उपकरणों को मौके पर ही नष्ट किया गया। उन्होंने बताया कि लगभग 3500 लीटर लाहन नष्ट किया।वहीं पर एक रबर ट्यूब में शराब बरामद हुई मौके पर शराब बनाने वाले तस्करों के विरुद्ध आबकारी अधिनियम की धारा 60 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि आगे भी विशेष प्रवर्तन अभियान के दौरान निरन्तर कार्यवाही की जाएगी। इस दौरान टीम में उप आबकारी निरीक्षक हेमंत गिरी, प्रधान आबकारी सिपाही रमाकांत बावडी,आबकारी सिपाही अलका जगवती हेमंत आदि मौजूद रहें।

हिन्दी दैनिक जोखिम

जोया अफरोज ने दिया बड़ा बयान, एक्टर्स के काम को लेकर कहा-सिर्फ बड़े ऐलान करने से नहीं होता

जोया अफरोज ने बहुत कम उम्र में इंडस्ट्री में कदम रख दिया था। उन्होंने बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट शहम साथ साथ हैं और शमना जैसी फिल्मों में काम किया। इसके अलावा टीवी शोज श्कोरा कागज और श्सोन परी में भी उनकी मौजूदगी ने उन्हें घर-घर पहचान दिलाई। कैमरे के सामने पली-बढ़ी जोया कहती हैं कि उन्हें हमेशा से एक्टिंग की बारीकियां समझने का मौका मिला। लेकिन बचपन की पहचान को पीछे छोड़कर एक परिपक्व कलाकार के रूप में खुद को बनाना करना आसान नहीं था। जोया का मानना है कि इंडस्ट्री में खुद को नए रूप में पेश करना सिर्फ बड़े ऐलान करने से नहीं होता। असली बदलाव तब दिखता है जब कलाकार अपने काम से दर्शकों को चौंकाए। जोया के मुताबिक, श्आप कितनी भी बातें कर लें, लेकिन जब तक आपकी परफॉर्मेंस स्क्रीन पर असर नहीं छोड़ती, तब तक लोग आपको नए नजरिए से नहीं देखते। वह मानती हैं कि शोहरत का दौर आता-जाता रहता है, लेकिन लगातार अच्छा काम ही एक कलाकार को लंबे समय तक टिकाए रखता है। जोया अपनी आने वाली फिल्म श्ये दिल सुन रहा है्य को अपने करियर का अहम पड़ाव मानती हैं। उनका कहना है कि यह प्रोजेक्ट उनके अंदर के संवेदनशील और भावनात्मक पक्ष को सामने लाएगा। जोया आखिरी बार तस्करी वेब सीरीज में नजर आई थीं, जो नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी। इसमें इमरान हाशमी हैं, जो ईमानदार कस्टम अधिकारी की भूमिका में हैं जबकि शरद केलकर विलेन के रूप में हैं।

रोमांटिक फिल्म विद लव की स्ट्रीमिंग डेट आई सामने, नेटफ्लिक्स 6 मार्च से होगी स्ट्रीमिंग

डायरेक्टर माधन के निर्देशन में बनी फिल्म श्विद लव्य अपनी डिजिटल रिलीज के साथ चर्चा में बनी हुई है. फिल्म में अबिशन जीविंथ लीड रोल में हैं और उनके साथ अनस्वरा राजन भी हैं. दोनों की केमिस्ट्री और फिल्म की रोमांटिक कहानी दर्शकों को बहुत पसंद आई है. थिएटर में ठीक-ठाक प्रदर्शन के बाद अब ये जल्द ही ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होने वाली हैं. पहले ही बताया गया था कि नेटफ्लिक्स ने पोस्ट-थिएटरल स्ट्रीमिंग राइट्स खरीदे हैं, लेकिन अभी तक फिल्म की डिजिटल रिलीज डेट का आधिकारिक ऐलान नहीं हुआ है. रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह फिल्म 6 मार्च, 2026 से स्ट्रीमिंग पर आ सकती है और ये तमिल, तेलुगु, हिंदी, मलयालम और कन्नड़ भाषा में देखने को मिलेगी. फिल्म श्विद लव्य एक तमिल रोमांटिक कॉमेडी है, जो सत्या (अबिशन जीविंथ) और मोनिशा (अनस्वरा राजन) की कहानी पर आधारित है. कहानी शुरू होती है जब दोनों एक ब्लाइंड डेट पर मिलते हैं. अपने-अपने पुराने स्कूल क्रश को खोजने और अपनी भावनाओं का इजहार करने की इस ट्रिप के दौरान, सत्या और मोनिशा के बीच प्यार पनपने लगता है. फिल्म में नॉस्टैल्जिया, ह्यूमर और रोमांस का बेहतरीन मेल देखने को मिलता है, जो दर्शकों को आखिरी तक बांधे रखता है. फिल्म श्विद लव्य ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया है. सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, रिलीज के 20वें दिन तक फिल्म ने भारत में 27.7 करोड़ रुपये की कमाई की और तमिल में 25.1 करोड़, तेलुगु में 2.6 करोड़. वहीं, विदेशों में 3.5 करोड़ रुपये की कमाई के साथ फिल्म की ग्लोबल ग्रॉस 36 करोड़ रुपये हो गई है, हालांकि फिल्म अब तक कोई बड़ा रिकॉर्ड नहीं तोड़ पाई.

चरक का ट्रेलर हुआ रिलीज, गांव में होने वाले अंध विश्वास और तांत्रिक क्रियाओं से डराती है फिल्म

द केरल स्टोरी फेम निर्देशक सुदीप्तो सेन की आगामी फिल्म श्चरक: फेयर ऑफ फेथ का ट्रेलर आज रिलीज हो गया है। ट्रेलर में भारत के ग्रामीण इलाकों में फैले अंधविश्वास, रूढ़िवादिता और तंत्र-मंत्र से जुड़े कई सवाल उठाए गए हैं। जानते हैं कैसा है चरक का ट्रेलर और क्या है इसमें कुछ खास? ट्रेलर के शुरुआत में दिखाया गया है कि गांव से बच्चे गायब हो रहे हैं। इसके बाद उनके माता-पिता पुलिस के पास इसकी शिकायत दर्ज करवाने पहुंचते हैं। धीरे-धीरे आगे दिखाई देता है कि अघोरी बाबा, साथ ही कुछ लोग तंत्र-मंत्र से जुड़े होते हैं। आगे दिखाया गया है कि चरक मेले में लोग अंधविश्वास से जुड़े होते हैं तांत्रिक क्रिया करते हैं। लेकिन इस बीच सवाल यही खड़ा होता है कि बच्चे कहां गायब हो रहे हैं और वो कैस मिलेंगे। चरक भारतीय तांत्रिक जगत के रहस्यमय और अनसुलझे पहलुओं को तलाशने की कोशिश करती है। इसमें मनोवैज्ञानिक रूप से गहराई से जुड़े किरदारों को एक विचलित कर देने वाले ट्रेडिनशन के साथ मिलाया गया है। टेलर में अंधविश्वाल, तंत्र-मंत्र की अलग-अलग विद्याओं और विधाओं के बारे में दिखाया गया है। इसमें अघोरी से लेकर बली देने की प्रथा तक शामिल है। शीलादित्य मौलिक द्वारा निर्देशित इस फिल्म में अंजली पाटिल, साहिदुर रहमान, सुब्रत दत्ता, शशि भूषण, नलनीश नील, शंखदीप और शौनक श्यामल सहित कई जाने-माने कलाकार शामिल हैं। श्चरक: फेयर ऑफ फेथ्य एक रोंगटे खड़े कर देने वाला सिनेमाई अनुभव प्रदान करता है, जो आस्था और कट्टरता के बीच की पतली रेखा पर सवाल उठाता है। यह फिल्म 6 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म के ट्रेलर को देखकर इसको लेकर उत्साह बढ़ गया है।

एक लड़की होने के नाते, मैं चुप नहीं रह सकती; फिल्म द केरल स्टोरी 2 पर बोलीं मीरा चोपड़ा

फिल्म द केरल स्टोरी 2 कल शुक्रवार को रिलीज हो गई है। एक तरफ इस फिल्म को लेकर विवाद है। कुछ लोग इसे प्रोपोगेंडा फिल्म कहकर आलोचना कर रहे हैं। मगर, वहीं, फिल्म जब थिएटर्स में लग गई है तो इसे सकारात्मक प्रतिक्रिया भी मिल रही हैं। साउथ की चर्चित अभिनेत्री मीरा चोपड़ा ने इस फिल्म को देखने के बाद अपने विचार साझा किए हैं। मीरा चोपड़ा ने अपने एक्स अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने फिल्म द केरल स्टोरी 2 को जरूर देखे जानी वाली फिल्म बताया है। वे लिखती हैं, फिल्म द केरल स्टोरी 2 सिर्फ एक फिल्म नहीं है, यह भारत के लिए एक वेक-अप सायरन है। एक हिंदू महिला होने के नाते, युवा लड़कियों को ग्रूम करने, जबर्दस्ती करने और सोच के आधार पर टारगेट करने को देखकर मुझे गुस्सा आता है। सिस्टमैटिक तरीके से उन्हें सिखाने और शोषण करने का तरीका डरावना है। मीरा चोपड़ा ने आगे लिखा है, एक लड़की होने के नाते, मैं चुप नहीं रह सकती। महिलाओं की सुरक्षा प्रोपगैंडा नहीं है। यह देशभक्ति है। अगर हमारी बेटियां सुरक्षित नहीं हैं, तो हमारा देश सुरक्षित नहीं है। हमारी महिलाओं की रक्षा करें। हमारी सभ्यता की रक्षा करें। उन्होंने आगे फिल्म के निर्देशक कामाख्या नारायण सिंह और प्रोड्यूसर विपुल अमृतलाल शाह को टैग करते हुए लिखा है, आपने इस फिल्म को बनाने में जो हिम्मत दिखाई है, उसके लिए उनकी तारीफ होनी चाहिए। मैं हर परिवार, हर बेटी और हर भाई से गुजारिश करूंगी कि वे यह फिल्म जरूर देखें।

बॉक्स ऑफिस पर फिर चमकी ओ रोमियो, 15वें दिन भी की करोड़ों में की कमाई, अस्सी का हाल बेहाल

विशाल भारद्वाज निर्देशित श्ओ रोमियो्य में शाहिद कपूर और तृप्ति डिमरी की नई ऑन-स्क्रीन जोड़ी देखन को मिली साथ ही इसमें कई और स्टार्स भी नजर आए. इस फिल्म को रिलीज होने पर मिले-जुले रिव्यू मिले. वहीं उम्मीद थी की शाहिद कपूर और तृप्ति डिमरी की मिली-जुली स्टार पावर और डायरेक्टर की ट्रेडमार्क एटमॉस्फेरिक कहानी दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींचने में कामयाब रहेगी. हालांकि ऐसा नहीं हुआ और इस फिल्म का दो हफ्ते का सफर काफी उतार-चढ़ाव भरा रहा. अब ये रिलीज के तीसरे हफ्ते में एंट्री कर चुकी है. ऐसे में चलिए यहां जानते है इस फिल्म ने रिलीज के 15वें दिन यानी तीसरे शुक्रवार को कितना कलेक्शन किया है? श्ओ रोमियो्य को सिनेमाघरों में रिलीज हुए दो हफ्ते पूरे हो गए हैं. इस दौरान इस फिल्म की बॉक्स ऑफिस परफॉर्मेंस खास नहीं रही है. हालांकि इसने 60 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है. वहीं अब ये रिलीज के तीसरे हफ्ते में एंट्री कर गई है और कोई नए कंप्टीशन के ना होने के बावजूद भी 15वें दिन इसने अब तक का सबसे कम कलेक्शन किया है. वहीं सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक श्ओ रोमियो्य ने रिलीज के 15वें दिन यानी तीसरे फ्राइडे 1.15 करोड़ का कलेक्शन किया है. इसी के साथ इस फिल्म की 15 दिनों की कुल कमाई अब 62.60 करोड़ रुपये हो गई है. काफी विवादों के बाद शुक्रवार को फिल्म द केरल स्टोरी 2 सिनेमाघरों में रिलीज हो गई। पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर फिल्म का कलेक्शन मिलाजुला रहा। ओपनिंग डे पर फिल्म ने 3.50 करोड़ रुपये से खाता खोला। फिल्म का पहला पार्ट श्द केरल स्टोरी्य साल 2023 में रिलीज हुआ था। इसने पहले दिन 8.03 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था। द केरल स्टोरी 2 पहले पार्ट का रिकॉर्ड नहीं तोड़ पाई है। द केरल स्टोरी 2 के निर्देशक कामाख्या नारायण हैं। वहीं तापसी पन्नू की अदाकारी वाली फिल्म अस्सी ने 20 फरवरी को सिनेमाघरों में दस्तक दी थी। शुक्रवार को फिल्म ने 46 लाख रुपये का कलेक्शन किया है। बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म ने अब तक 7.41 करोड़ रुपये का कारोबार कर लिया है। इस फिल्म के निर्देशक अनुभव सिन्हा हैं। यह फिल्म गंभीर सामाजिक मुद्दे को उठाती है। सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक श्बॉर्डर 2्य ने रिलीज के छठे शुक्रवार यानी 36वें दिन 20 लाख रुपयों का कलेक्शन किया है. इसी के साथ भारत में 36 दिनों की कुल नेट कमाई अब 327.10 करोड़ रुपये हो गई है.

हिन्दी दैनिक जोखिम

दिव्य कला मेला - देहरादून का समापन समारोह सम्पन्न, 50 लाख की बिक्री दर्ज

- दिव्य कला शक्ति कार्यक्रम में 50 से अधिक दिव्यांग कलाकारों ने अपनी कला का किया प्रदर्शन

देहरादून(संवाददाता)। रविवार को दिव्यांगजन सशक्तिकरण को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित "दिव्य कला मेला" का समापन समारोह देहरादून में सम्पन्न हुआ। यह मेला 21 फरवरी से 01 मार्च 2026 तक आयोजित किया गया, जिसमें देश के 16 से अधिक राज्यों से आए दिव्यांगजन उद्यमियों एवं कलाकारों ने सक्रिय सहभागिता की। ह आयोजन दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के मार्गदर्शन एवं सहयोग से आयोजित किया गया। मेले का मुख्य उद्देश्य दिव्यांगजन उद्यमियों को विपणन मंच उपलब्ध कराना, स्वरोजगार को बढ़ावा देना, कौशल उन्नयन को प्रोत्साहित करना तथा सामाजिक समावेशन को सुदृढ़ करना रहा। व्य कला मेला के समापन समारोह पर उत्तराखंड सरकार में वन मंत्री सुबोध उनियाल बतौर मुख्य अतिथि रहे मौजूद रहे। कार्यक्रम में विधायक खजानदास, सचिव संस्कृत शिक्षा, उत्तराखंड सरकार, दीपक गैरोला, आयुक्त दिव्यांगजन सशक्तिकरण उत्तराखंड प्रकाश चंद्र, निदेशक दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, भारत सरकार प्रदीप ए मौजूद रहे। व्य कला मेला में 16 से अधिक राज्यों के दिव्यांगजन उद्यमियों द्वारा विभिन्न उत्पादों का प्रदर्शन एवं विक्रय किया गया। मेले में उत्पाद श्रेणियों में हस्तशिल्प, जूट एवं बांस उत्पाद, वुडक्राफ्ट, वस्त्र एवं टेक्सटाइल, पेंटिंग, ऑर्गेनिक उत्पाद, पैकेज्ड खाद्य सामग्री आदि मौजूद रहीं। मेले के दौरान लगभग 50 लाख की बिक्री दर्ज की गई, जो दिव्यांगजन उद्यमियों के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। 23 से 25 फरवरी 2026: निरंतर पुनर्वास शिक्षा कार्यक्रम आयोजित किया

गया, जिसमें लगभग 120 प्रतिभागियों ने भाग लेकर पुनर्वास एवं विशेष शिक्षा संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की।23 फरवरी 2026 को जागरूकता सत्र में दिव्यांगजन अधिकार अधि नियम, 2016 के अंतर्गत 21 प्रकार की दिव्यांगताओं एवं संबंधित अधि कारों पर आयोजित सत्र में लगभग 120 प्रतिभागियों ने भाग लिया।26 फरवरी 2026 को रोजगार मेला में 06 निजी क्षेत्र की कंपनियों की सहभागिता में 150 दिव्यांगजन अभ्यर्थियों ने साक्षात्कार प्रक्रिया में भाग लिया। इनमें से 65 अभ्यर्थियों को शॉर्टलिस्ट किया गया तथा 12 अभ्यर्थियों को जॉब ऑफर प्रदान किए गए।26 27 फरवरी 2026 को निःशुल्क चिकित्सा शिविर में लगभग 200 से अधिक लाभार्थियों को स्वास्थ्य परीक्षण, चिकित्सकीय परामर्श एवं आवश्यक दवाइयाँ उपलब्ध कराई गई।28 फरवरी 2026 को निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर में लगभग 150 लाभार्थियों को नेत्र परीक्षण एवं परामर्श सेवाएँ प्रदान की गई।मेले के दौरान प्रतिदिन सांस्कृतिक कार्यक्रमों, लोकनृत्य एवं संगीत प्रस्तुतियों का आयोजन भी किया गया, जिससे सामाजिक समावेशन एवं जागरूकता का संदेश व्यापक स्तर पर प्रसारित हुआ।समापन समारोह में उपस्थित गणमान्य अतिथियों ने अपने संबोधन में इस आयोजन को समावेशी विकास की दिशा में एक प्रभावी पहल बताते हुए कहा कि दिव्यांगजन उद्यमियों को उचित मंच एवं संस्थागत सहयोग प्रदान किए जाने से वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकते हैं तथा राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।इस समापन समारोह अवसर पर दिव्य कला शक्ति कार्यक्रम में 50 से अधिक दिव्यांग कलाकारों ने अपनी कला का प्रदर्शन किया "दिव्य कला मेला ख्र देहरादून" ने दिव्यांगजन सशक्तिकरण, रोजगार संवर्धन एवं सामाजिक समावेशन के क्षेत्र में एक सशक्त मॉडल प्रस्तुत किया है, जिसे भविष्य में और अधिक व्यापक स्तर पर विस्तार दिए जाने का संकल्प व्यक्त किया गया।

संक्षिप्त समाचार...

मुख्यमंत्री ने दी प्रदेशवासियों को होली की शुभकामना

देहरादून(संवाददाता)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेशवासियों को होली पर्व की शुभकामनाएं दी है। होली पर्व की पूर्व संध्या पर जारी संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा कि होली रंग और उल्लास के त्योहार के साथ ही हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है। हर्षोल्लास के वातावरण में मनाया जाने वाला यह पर्व सामाजिक समरसता तथा एकता की भावना को भी सुदृढ़ बनाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि होली केवल रंगों का ही त्योहार नहीं है, बल्कि यह हमारी समृद्ध लोकसंस्कृति, शास्त्रीय संगीत परंपरा, आध्यात्मिक चेतना और सामाजिक समरसता की जीवंतता तथा हमारी सांस्कृतिक विरासत की अमूल्य धरोहर है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय सनातन संस्कृति का यह महत्वपूर्ण पर्व प्रेम, सौहार्द और भाईचारे का भी संदेश देता है। यही नहीं होली के अवसर पर होने वाले विभिन्न आयोजन नई पीढ़ी को अपनी जड़ों, परंपराओं एवं सांस्कृतिक मूल्यों से जोड़ने के भी सशक्त माध्यम बनते हैं। होली का यह पर्व प्रदेश में समृद्धि और उन्नति के रंग लेकर हम सबके जीवन में और अधिक सुख-शांति के साथ सभी का जीवन सफलता के नये रंगों से रंगायमान हो इसकी भी मुख्यमंत्री ने भगवान बद्रीविशाल और बाबा केदार से कामना की है।

फौजी की खरीदी जमीन हाईवे में गई, मुआवजा कोई और हड़प गया

देहरादून(संवाददाता)। फौजी की खरीदी गई जमीन पर धोखाधड़ी हो गई। जमीन का हाईवे में अधिग्रहण हुआ तो उसका मुआवजा किसी और ने हड़प लिया। फौजी की शिकायत पटेलनगर कोतवाली पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मूलरूप से पौड़ी गढ़वाल और वर्तमान में पठानकोट (पंजाब) में तैनात जवान नितेश कोटनाला ने एसएसपी को तहरीर दी। नितेश ने बताया कि पांच जून 2017 को उन्होंने शिमला बाईपास रोड स्थित रतनपुर के रहने वाले मनमोहन जुयाल से शीशमबाड़ा में 125.46 वर्गमीटर जमीन खरीदी। बाद में पता चला कि खरीदी गई जमीन का राष्ट्रीय राजमार्ग-72 के लिए सरकार ने अधिग्रहण कर लिया है। तब नितेश ने क्षेत्रीय लेखपाल से संपर्क किया। वहां उन्हें पता चला कि जो जमीन उन्हें मौके पर दिखाई गई थी वह राजस्व रिकॉर्ड में उनके नाम पर है ही नहीं। इतना ही नहीं, उस जमीन का मुआवजा भी मुकेश नामक किसी अन्य व्यक्ति ने प्राप्त कर लिया है। ठगी का अहसास होने पर जब फौजी ने विक्रेता मनमोहन जुयाल से स्पष्टीकरण मांगा तो वह टालमटोल करने लगा। एसएसपी के निर्देश पर पटेलनगर कोतवाली पुलिस ने आरोपी मनमोहन जुयाल निवासी रतनपुर के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

16वीं बटालियन के स्थापना दिवस पर वीरांगनाएं सम्मानित

देहरादून(संवाददाता)। 16वीं बटालियन गढ़वाल राइफल्स के स्थापना दिवस पर वीर नारियों को सम्मानित किया गया। बटालियन पूर्व सैनिक संगठन की ओर से रविवार को कारगी चौक स्थित जेपी प्लाजा फार्म हाउस में 46वां स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश के सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी शामिल हुए। उन्होंने बटालियन की वीर नारियों को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। उपस्थित पूर्व सैनिकों और अतिथियों ने बटालियन के शहीदों के सम्मान में दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद पूरे जोश के साथ रेजिमेंटल गीत गाया गया और केक काटकर स्थापना दिवस की खुशियां साझा की गई। इस खास मौके पर बटालियन के शौर्य चक्र विजेता लेफ्टिनेंट कर्नल गोपी चंद राठौर की माता कृपांशी देवी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने इस मौके पर पूर्व सैनिकों के जज्बे की सराहना की। उन्होंने कहा कि नागरिक जीवन में आने के बाद भी पूर्व सैनिक अपनी बटालियन और सेना का मान-सम्मान लगातार बढ़ा रहे हैं। बटालियन आज भी देश सेवा में उत्कृष्ट कार्य कर रही है, जो हम सभी के लिए गर्व का विषय है। संगठन के अध्यक्ष गिरीश जोशी ने बताया कि बहुत जल्द यह बटालियन संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन के लिए भी जाने वाली है। कलाकारों ने देशभक्ति और शानदार गढ़वाली गीतों की प्रस्तुति देकर समारोह में चार चांद लगा दिए।

4/3 गोरखा राइफल्स ने 64वां ध्वजारोहण दिवस मनाया

देहरादून(संवाददाता)। 4/3 गोरखा राइफल्स (जीआर) ने रविवार को अपना 64वां ध्वजारोहण समारोह हर्षोल्लास और सैन्य परंपराओं के साथ मनाया। कार्यक्रम का शुभारंभ कर्नल प्रदीप राना और मेजर नर बहादुर लिम्बु ने अपनी धर्मपत्नियों के साथ संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। समारोह के दौरान पलटन के गौरवशाली इतिहास पर प्रकाश डाला गया। सूबेदार रवि थापा ने कारगिल युद्ध में पलटन की अदम्य शौर्य गाथा से रूबरू कराया। साथ ही देश के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर शहीदों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई। 4/3 जीआर की स्थापना एक मार्च 1963 को हुई थी। स्थापना दिवस के इस खास मौके पर कैप्टन पुष्कर अधि कारी ने कई जवानों को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर प्रवीन थापा, सूबेदार प्रेम सिंह आले, सूबेदार कमल थापा, कैप्टन त्रिलोक थापा, कैप्टन मनोहर थापा, कैप्टन ईश्वर थापा, कैप्टन सूरज थापा, नायब सूबेदार पंकज थापा, हवलदार राजेश थापा, हवलदार बबलू थापा, मनोज थापा, मुकेश राना, संदीप थापा, शोबीन थापा, राम बहादुर थापा, गजेंद्र राना और महेंद्र थापा समेत पूर्व सैनिक और उनके परिवार शामिल हुए।

बुजुर्ग के बैंक खातों से साइबर ठगों ने ट्रांसफर किए 1.25 लाख

देहरादून(संवाददाता)। डालनवाला थाना क्षेत्र के मोहिनी रोड निवासी एक बुजुर्ग के चार अलग-अलग बैंक खातों से बिना किसी ओटीपी, फोन कॉल या लिंक के 1.25 लाख रुपये ट्रांसफर कर लिए गए। 70 वर्षीय रवि प्रकाश चौरसिया ने अपनी शिकायत में बताया कि 16 से 18 फरवरी के बीच उनके कोटक महिंद्रा, आईसीआईसीआई, पीएनबी और स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक के खातों से कुल रकम ट्रांसफर हुई। ठगों ने यह रकम गुलशन कुमार, मिजानुर रहमान, आर्यन चौधरी समेत ब्लिंकिट के जरिए ट्रांसफर की।

स्वामी, प्रकाशक एवम मुद्रक संजीव पंत द्वारा 19.सी, सुभाष रोड, पैसेफिक होटल के पीछे डूंगा हाउस देहरादून से प्रकाशित एवं चिराग पब्लिकेशन्स डी-2, शिवलोक कालोनी लाडपुर, ब्लॉक रायपुर काली मन्दिर के पास, देहरादून से मुद्रित। सम्पादक - संजीव पंत , फोन नं0- 0135-2712118 , प्रसार प्रबंधकः वसीम अहमद , आर एन आई नं.: UTTHIN/2010/33537 email: jokhimdehradun2006@gmail.com

ताज़ातरीन खबरों व सही जानकारी के साथ समाचार को विस्तार से पढ़नें के लिए लागआन करें हमारा newsportal:. jokhimnews.com